आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

🔢 दिल्ली के प्रशांत विहार में फिर एक और धमाका, इलाके में फैली दहशत

🔐 प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों से मौसम पर असर

🛮 🧣 प्रियंका गाँधी ने वायनाड से सांसद के रूप में ली शपथ

प्रदूषण पर नियंत्रण या लापरवाही? सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा , रिपोर्ट ने खोली प्रशासन की पोल

इशिका , मुख्य रिपोर्टर न्यूज परिवहन विशेष

नई दिल्ली। कैसे प्रदूषण रोकने के लिए बनाए गए GRAP-IV नियमों का दिल्ली और एनसीआर में खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नरों की ताजा रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हए हैं।

"क्या राजधानी दिल्ली और एनसीआर प्रदुषण के खिलाफ लड़ाई हार रहे हैं ? सुप्रीम कोर्ट की इस रिपोर्ट से ऐसा ही लगता है। चलिए आपको विस्तार से बताते हैं।"

अधिकारियों के घरों पर जारी निर्माण

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिन पर नियम लागू करवाने की जिम्मेदारी है, वे खुद इन्हें तोड़ते नजर आए। रिपोर्ट के अनुसार, HUDCO, BHEL, RITES, HAL, और ITPO जैसे संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के एशियन गेम्स विलेज स्थित घरों में निर्माण और मरम्मत के काम चल रहे हैं।

"क्या ये अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण के नियमों से ऊपर हैं? GRAP-IV के तहत सभी गैर-जरूरी निर्माण कार्यों पर सख्त पाबंदी है, लेकिन यह बानगी कुछ और ही कहती है।"

ग्रेटर नोएडा और एनसी आर में बदतर

ग्रेटर नोएडा और एनसीआर के अन्य इलाकों

में भी नियमों का खुलेआम उल्लंघन देखा गया। कई स्थानों पर निर्माण सामग्री बिना ढके पड़ी थी, जिससे धूल प्रदुषण और बढ़ गया।

वर्ष 02, अंक 259, नई दिल्ली । शुक्रवार, 29 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

"क्या यह गैर-जिम्मेदाराना रवैया केवल नियमों की अनदेखी है, या फिर प्रदूषण को न्यौता

फैक्ट्रियों और कचरा जलाने का कहर ग्रेटर नोएडा के साइट-सी इलाके की फैक्ट्रियों में प्रदूषण नियंत्रण के किसी भी नियम का पालन नहीं हो रहा। यहां से भारी मात्रा में धुआं निकलता

वहीं, इकोटेक 1 एक्सटेंशन और गुरुग्राम के न्यू पालम विहार में खुले में कचरा जलाने की घटनाएं रिपोर्ट की गईं।

"जब प्रशासन खुद लापरवाह हो, तो आम जनता से नियमों के पालन की उम्मीद कैसे की

सीमाओं पर निगरानी का अभाव

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (DND) फ्लाईवे जैसे प्रमुख बॉर्डर पॉइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे तक नहीं लगे हैं। कई जगहों पर दिल्ली सरकार के अधिकारी और वॉलंटियर्स नदारद पाए गए।

"क्या यह हमारी सुरक्षा और पर्यावरण के प्रतिप्रशासन की उदासीनता नहीं दिखाता ?" धुल को रोकने के प्रयासों में कमी

सिरी फोर्ट, पंचशील और कोटला जैसे इलाकों

में केवल दो वॉटर स्प्रिंकलर और एक ड्राइवर की तैनाती की गई है। इतने कम संसाधनों के साथ धूल प्रदूषण रोकने का प्रयास नाकाफी है।

रिपोर्ट की सिफारिशें सुप्रीम कोर्ट के किमश्नरों ने स्थिति सुधारने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं:

* न्यायिक कार्रवाई: GRAP-IV नियम तोडने वाले अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई हो।

* बेहतर निगरानीः चेकपॉइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

* संसाधनों में बढ़ोतरीः वॉटर स्प्रिंकलर्स और ऑपरेटर की संख्या बढाई जाए।

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) गुरुवार को दिल्ली का औसत AQI 324 दर्ज किया गया, जो ₹बहुत खराब₹ श्रेणी में आता है। हालांकि राहत की बात यह है कि CPCB के मुताबिक, किसी भी मॉनिटरिंग स्टेशन पर

₹गंभीर₹ श्रेणी में प्रदूषण दर्ज नहीं किया गया।

GRAP-IV प्रतिबंधों का ब्योरा *BS-IV और पुराने डीजल वाहनों पर सख्त

* गैर-जरूरी सामान ले जाने वाले ट्रकों की एंट्री पर रोक।

* NCR के कार्यालयों में 50% क्षमता पर संचालन की सलाह।

* NCR में सभी निर्माण कार्य पूरी तरह से

प्रदूषण के नाम पर दोहरा रवैया और भेदभाव करने के खिलाफ

CAQM और दिल्ली सरकार के खिलाफ किया भारी धरना प्रदर्शन

"दिल्ली के प्रदेषण पर काब पाने के लिए GRAP-IV जैसे नियम बनाए गए हैं, लेकिन जब इन्हें लागु करने वाले ही इनका पालन न करें, तो हालात कैसे सुधरेंगे? यह समय है कि जनता और प्रशासन दोनों अपनी जिम्मेदारी समझें।"

संदेशः 'हम सब मिलकर ही प्रदूषण मुक्त दिल्ली बना सकते हैं।'

"आपको यह रिपोर्ट कैसी लगी, हमें जरूर

ट्रांसपोर्टोंरों की आयोग गढन की मांग जायजः सुनील अग्रवाल



– ट्रांसपोटोंरों को किसी भी तरह की कानूनी सहायता की जरूरत पड़े तो 24 घंटे तैयार : वेद भूषण शर्मा – सरकार २ महीने में ट्रांसपोर्ट आयोग के गढन की शुरुआत करें वरना करेंगे देशव्यापी आंदोलन शुरू: आर के शर्मा

संजय बाटला

नई दिल्ली। स्थानीय राजाराम मोहन राय ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय टांसपोर्ट एसोसिएशन के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर से आए हुए 500 से अधिक पदाधिकारीयों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सेवानिवृत सेशन जज सुनील अग्रवाल ने एसोसिएशन की मांग को जायज ठहराते हुए बताया कि देश में करोड़ों लोगों को रोजगार के माध्यम से जीवन व्यापन तथा देश की उन्नति में महत्वपर्ण भिमका निभाने वाले संगठित सेक्टर को ट्रांसपोर्ट आयोग की सख्त जरूरत है सरकार को ट्रांसपोर्टोंरों एवं ड्राइवर भाइयों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए अति शीघ्र ट्रांसपोर्ट आयोग

का गठन करना चाहिए।विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्ति एसीपी दिल्ली वेद भूषण ने बताया कि देश में ट्रांसपोर्टर और ड्राइवर के काम और मेहनत को देखते हुए उनको उनका हक नहीं मिल रहा सरकार को उनकी मांगों पर तरंत कार्रवाई करते हुए घाटे में चल रहे ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को उभारने के लिए संज्ञान लेना चाहिए उन्होंने कहा सरकार,प्रशासन एवं आम नागरिक की ट्रांसपोर्ट और ड्राइवर के प्रति सोच अच्छी नहीं रहती उन्होंने कहा ट्रांसपोर्टों रों को कानुनी सहायता के लिए मैं 24 घंटे उपलब्ध रहंगा अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के शर्मा ने कहां की सरकार ट्रांसपोर्टीरों की घाटे की स्थिति में सुधार लाने के लिए ट्रांसपोर्ट आयोग का गठन, टोल दर कम एवं नियंत्रित करने तथा दिल्ली से ग्रीन टैक्स त्रंत प्रभाव से खत्म करने के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई शुरू करें अन्यथा 2 महीने बाद ऐबीटीए सभी संगठनों एवं ट्रांसपोर्टर और ड्राइवर भाइयों को साथ लेकर देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत करेंगे अधिवेशन

राष्ट्रीय संरक्षक के के सेठी एवं प्रभारी सुरेंद्र शर्मा का सानिध्य तथा मंच संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल भारद्वाज ने किया मुख्य वक्ता हरप्रीत सिंह गिल एवं वक्ताओं बहन केहुली,अंजू शर्मा, सतीश जांगड़ा चीनकर दादा सांगली, शेख बादशाह आंध्र प्रदेश, जयवंत जाधव पुणे, सुरेश यादव गुवाहाटी, सत्यपाल भाटी नोएडा, छोटू पहलवान, सैयद इस्माईल अधिवक्ता अशोक यादव इंदौर, सौदान गुर्जर गाजियाबाद, एस के शर्मा हरिद्वार, कप्तान सिंह फरीदाबाद, अनिल शर्मा भिवाडी,अकबर भाई हैदराबाद खन्ना जी पुनहाना ने बताया कि अगर सरकार जल्द ही ट्रांसपोर्टींरों की बिगडती हुई स्थिति का संज्ञा नहीं लगी तो स्थिति और भी भयावह हो जाएगी अधिवेशन में नागालैंड, मणिपुर, असम, गोवा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के पदाधिकारी ने भाग लिया।



नर्ड दिल्ली. कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट और दिल्ली सरकार के प्रदुषण के नाम पर दोहरा रवैया और भेदभाव करने के खिलाफ दिल्ली एनसीआर के टैक्सी-बस और टेम्पो ट्रेवलर के मालिकों ने दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में CAQM और दिल्ली सरकार के खिलाफ आज जंतर मंतर पर भारी धरना प्रदर्शन किया.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने कहा की सरकार और इनकी संस्थाएं CAQM सिर्फ गरीब टैक्सी बस वालो का आर्थिक शोषण और मानसिक उत्पीड़न कर रहें हैं. जबिक असली वजह प्रदूषण की आसमान में हवाई जहाज का धुआँ भी हों सकता हैं ? इसकी जांच भी की जाये. साथ ही फैक्ट्रीयों और कारखानों का धआँ, और कंस्ट्रक्शन की धुल मिट्टी हैं. लेकिन सरकार, CAQM और इनकी संस्थाएं

प्रदर्शन प्रदूषण की आड़ में सिर्फ डीजल BS 3 और 4 टैक्सी और टेम्पो ट्रैवेलर (LMV 4 पहिये) को रोड पर नहीं चलने दें रहीं हैं और अगर कोई गाडी मजबूरी मे रोड पर आई तो उन गाड़ियों पर 20 हजार तक का जर्माने लगाया जा रहा हैं.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के वाईस प्रेजिडेंट श्री कमल चिब ने कहा की सरकार

हमारी गाडियों को रोक कर टैक्सी बस वालो को बेरोजगार कर रहीं हैं.

एसोसिएशन के एग्जीक्यटिव मेंबर सनी तोमर ने कहा की हमने कुछ सालो पेहले BS 4 डीजल की गाड़ियाँ खरीदी हैं. इन गाड़ियों की किस्तें जाती हैं और इन्शुरन्स, रोड टैक्स और डाइवर को वेतन देना पड़ता हैं.

अगर ये गाड़ियाँ नहीं चलेंगी तो इन गाड़ियों की किस्तें कौन देगा ये बहुत बड़ा

ट्रांसपोर्टर्स की मुख्य मांगे :-

1:- डीजल BS 3 और 4 टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर (LMV 4 पहिये) को रोड पर चलने की इज्जाजत तूरंत दी जाए.

2:- डीजल BS 3/4 बसों टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर (LMV 4 पहिये) ग्रेडड रिस्पांस एक्शन प्लान फॉर एनसीआर के ग्रेप स्टेज से हमेशा के लिए बाहर किया जाए. 3:- 15 नवम्बर 2024 के बाद हमारी

जितनी टूरिस्ट टैक्सी बसों और टेम्पो ट्रैवेलर के चालान हुए हैं वो सारे चालान केन्सिल 4:- प्रदेषण कंस्टक्शन की धल मिडी

और फैक्ट्रीयों के धूयें से होता हैं, इनको कंट्रोल किया जाए.

5:- कृत्रिम बारिश कराई जाये

6:- दिल्ली के ऊपर उड़ने वाले जहाजो

को बंद किया जाए.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की कमिसन फॉर एयर क्वाल्टी मैनेजमेंट को आल इंडिया ट्रिस्ट परिमट की डीजल BS 4टैक्सी -बसों और टेम्पो ट्रेवलर को चलने की इज्जाजत देनी चाहिए बल्कि इन गाड़ियों को ग्रेडड रिस्पांस एक्शन प्लान फॉर एनसीआर से ग्रेप सिस्टम से हमेशा बाहर भी रखना चाहिए. क्योंकि यें देशी विदेशी पर्यटको को दिल्ली से बाहर घुमाने ले जाती हैं और 5- 10 दिन बाद दिल्ली में लौटती हैं, दिल्ली में डीजल की नार्मल गाड़ियों को सन 2000 में बंद कर दिया गया था उसके बाद भारत स्टेज 2 गाड़ियाँ आई उस वक्त कहा गया की ये प्रदूषण मुक्त गाड़ियाँ हैं कुछ साल बाद BS 3/4 गाडियाँ आईं ये भी प्रदुषण मक्त गाडियाँ हैं जिन्हे प्रदुषण के नाम पर बंद किया जा रहा

सरकार और CAQM या इनसे जुडी संशथाये गरीब टैक्सी बस वालो को ही टारगेट करती हैं.

यें करोड़ो लोगों की रोजी रोटी का सवाल हैं. दिल्ली सरकार और CAQM प्रदूषण की आड़ में BS 6 डीजल गाड़ियों को और इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बिकवाने का काम कर रहें हैं ऐसी पूरी संभावना हमें लग रही हैं?

क्योंकि BS 6 डीजल गाड़ियों को और

इलेक्टिक गाडियों को चलने की इज्जाजत इन्होने दी हुई हैं क्योंकि इन्हे लगता हैं की यें गाडियाँ ऑक्सीजन दें रही हैं?

CAQM और दिल्ली सरकार के तुगलकी फरमान से दिल्ली एनसीआर) के लोग हीं नहीं पूरे भारत के लोग परेशान हैं जो दिल्ली में BS 4 डीजल प्राइवेट कारे और BS 3 पेट्रोल कारे लेकर आ रहें हैं उनसे 20 हजार रुपए चालान के नाम लिए जा रहें हैं, इतना जुर्माना तो विदेशी शासको ने भी कभी भारत की जनता पर नहीं लगाया जितना दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री श्रीमती आतिशी सिंह जी और पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय जी ने लगवाया.

यें भारी जुर्माना इसलिए लगाया हैं जिससे लोग BS 6 या इलेक्टिक गाडियों को खरीदने पर मजबर हो जाए? कहीं ना कहीं इसमें कार और बसें बनाने

वाली कम्पनियो से मिलीभगत होने की भी संभवाना नजर आती हैं?

आज ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने श्री भूपेंदर यादव, पर्यावरण मंत्री, भारत सरकार को अपनी समस्याओ से जुडा ज्ञापन उनके ऑफिस मे दिया.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने कहा हैं की अगर हमारी मांगे जल्दी नहीं मानी गई तो हम CAQM और दिल्ली सरकार के खिलाफ भख हडताल करेंगे.

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को रोड टैक्स में छूट मिलेगी; ईवी पॉलिसी को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाया जाएगा

नईदिल्ली। दिल्ली कैबिनेट ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है साथ ही पॉलिसी को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाया भी

इस बाबत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स(ट्वटर) हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा, ₹दिल्ली की जनता को बधाई।दिल्ली की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी फिर से शुरू हो रही है। अब 1 जनवरी 2024 के बाद खरीदे गए ई-वाहनों की सब्सिडी सीधे ख़रीदारों के खातों में जाएगी। इन लोगों ने साजिश करके इसे भी रोक दिया था लेकिन हमने येफिर से शुरू करा दी है।"

इस बाबत प्रेस कॉन्फ्रेंस के ज़रिए साझा करते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि, जब दूसरी पार्टी अपने राज्यों में ऐसी पॉलिसी नहीं ला पाई तो अरविंद केजरीवाल को जेल भेजकर महीनों तक दिल्ली में इस पॉलिसी को रोका गया। दिल्लीवालों के ख़िलाफ़ इस षड्यंत्र के कारण ईवी खरीददारों को सब्सिडी नहीं मिली, रोड टैक्स पर छूट नहीं

उन्होंने कहा कि, अब अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में इस पॉलिसी को दोबारा शरू कर दिया गया है। और 1 जनवरी 2024 के बाद दिल्ली में

जितनी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई, उसकी सब्सिडी खरीददारों के खातों में भेजी जाएगी।साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को रोड टैक्स में छूट मिलेगी।

उन्होंने कहा कि, दूसरी पार्टी अरविंद केजरीवाल जैसे काम अपने राज्यों में न कर सकी तो दिल्लीवालों के काम रोकने के लिए षड्यंत्र रचकर उन्हें जेल में डाल दिया। लेकिन अब अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्लीवालों के हर रुके काम दोबारा युद्धस्तर पर शुरू हो गए है।

सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹पिछले 10 साल से आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार अरविंद केजरीवाल के नेतत्व में हर क्षेत्र में काम करती आई है। चाहे 24 घंटे बिजली देकर, घर घर पानी पहुंचाकर, अच्छे स्कूल-मोहल्ला क्लीनिक देकर, अपने इनोवेटिव पॉलिसी जैसे डोरस्टेप डिलीवरी सर्विसेज, दिल्ली सोलर पॉलिसी, दिल्ली ईवी पॉलिसी के माध्यम से दिल्ली शहर को एक मॉडर्न 21वीं सदी का शहर बनाने के लिए हमारी सरकार लगातार काम करती आई है।'

उन्होंने कहा कि, ₹दूसरी पार्टियां अपने-अपने राज्यों में न तो आम लोगों की जिंदगी बेहतर बना पाई और न ही कोई इनोवेटिव पॉलिसी लेकर आ पाई। और दिल्ली की सरकार जैसा काम नहीं कर पाई तो इन पार्टियों ने षडयंत्र रचा की किस तरह से इनके काम रोके जाए। ये अरविंद केजरीवाल जैसा



काम नहीं कर पाये तो उनके कामों को रोकने का प्रयास किया गया।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, "सब दिल्लीवालों ने देखा कि एक राजनीतिक षड्यंत्र रचकर दिल्लीवालों का काम रोकने के लिए अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। अरविंद केजरीवाल जेल में थे तो लगातार दिल्ली के लोगों के काम रोके गए। बुजुर्गों की पेंशन रोकी गई, विधवाओं की पेंशन रोकी गई, रोजमर्रा के सड़क-सीवर के काम रोके गए। दिल्ली सरकार के कई कर्मचारियों को तनख्वाह रोक दी गई।ईवी पॉलिसी

उन्होंने कहा कि, ₹लेकिन दिल्लीवालों ने ये भी

देखा है कि जबसे अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आए है, तब से लगातार युद्धस्तर पर दिल्लीवालों के काम हो रहे है। चाहे दिल्ली की सड़के ठीक करना हो, चाहे बुजुर्गों-विधवाओं को पेंशन देने का काम हो, बुजुर्गों के लिए नई पेंशन खोलने का काम हो, चाहे जय भीम योजना को वापिस शुरू करने का काम हो। अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली सरकार युद्धस्तर पर काम कर रही है।रुके हुए कामों को फिर से शुरू कर रही है।।

सीएम आतिशी ने साझा करते हुए कहा कि, ₹इसी दिशा में आज दिल्ली सरकार की कैबिनेट की मीटिंग में कई महत्वपर्ण फैसले लिए गए जो दिल्ली के लोगों के हित में है और दिल्ली के रुके हुए कामों

को शरू करने के लिए है।"

उन्होंने साझा किया कि, ₹दिल्ली कैबिनेट ने दिल्ली के इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को दोबारा शुरू करने का फैसला लिया है। अगस्त 2020 में दिल्ली सरकार के इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी आई। तब दिल्ली पुरे देश में पहला ऐसा राज्य बना जो इतना प्रगतिशील पॉलिसी लेकर आया।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹इस पॉलिसी का ये नतीजा रहा कि, 2019-20 में जहाँ दिल्ली में कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 4% से भी कम थी। वही दिल्ली सरकार की इस पॉलिसी के आने के बाद 2023-24 में कुल रजिस्टर्ड होने वाली गाड़ियों में 12% से ज़्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ

है। जो पूरे देश में सबसे ज़्यादा है और राष्टीय औसत 6% से दोगुना है।"

उन्होंने कहा कि, "अरविंद केजरीवाल की ईवी पॉलिसी पूरे देशभर में सराही गई। लेकिन अरविंद केजरीवाल को जेल भेजकर इस ईवी पॉलिसी में भी पिछले 10 महीने से अड़ंगा डाला गया। पिछले 10 महीने से जो भी व्यक्ति ईवी ख़रीद रहा है। उसे न तो सब्सिडी मिल रही है और न ही रोड टैक्स पर छूट मिल रही है। क्योंकि दूसरी पार्टी जो ख़ुद ऐसी पॉलिसी नहीं ला पाई वो अरविंद के जरीवाल की इस पॉलिसी को रोकना चाह रही है।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹मुझे इस बात की ख़शी है कि, आज दोबारा दिल्ली सरकार के कैबिनेट ने ईवी पॉलिसी को शुरू करने का निर्णय लिया है। साथ ही जिस व्यक्ति ने 1 जनवरी 2024 से दिल्ली में इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदी है, उसे तब सब्सिडी नहीं मिली तो अब वो सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही जो भी अब इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदेंगे उन्हें रोड टैक्स पर छट मिलेगी।"

उन्होंने साझा किया कि, ₹इस पॉलिसी को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है। सभी दिल्लीवालों से आग्रह की जितने ज़्यादा से ज़्यादा लोग इलेक्ट्रिक गाड़िया ख़रीदेंगे दिल्ली शहर प्रदूषण से लड़ पाएगा।दिल्ली सरकार प्रदूषण के ख़िलाफ़ इस युद्ध में प्रतिबद्ध है और ईवी पॉलिसी इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।"

"विटामिन डी के हाई-डोज़ इंजेक्शन से सावधानः डॉक्टरों की चेतावनी, हड्डियों और किडनी पर हो सकता है गंभीर असर"

इशिका मुख्य रिपोर्टर रांची झारखंड

"क्या आप भी विटामिन डी की कमी से परेशान हैं और इसे पूरा करने के लिए हाई-डोज इंजेक्शन ले रहे हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाइए! डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि ऐसा करना आपकी हड्डियों और किडनी पर गंभीर असर डाल सकता है। आइए जानते हैं क्यों विटामिन डी की सही खुराक और तरीका आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।"

"डॉक्टरों का कहना है कि हाई-डोज़ विटामिन डी इंजेक्शन, खासतौर पर 6,00,000 यूनिट की खुराक, आपकी हड्डियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। एम्स के डॉ. रविंदर गोस्वामी के मुताबिक, 'इतनी ज्यादा मात्रा हिंडुयों की मजबूती घटाने और गिरने के जोखिम को बढ़ा सकती है।' इसके अलावा, कैल्सिट्रिओल जैसे एक्टिव एनालॉग्स, जो खासतौर पर किडनी की बीमारियों के लिए होते हैं, सामान्य विटामिन डी की कमी के लिए उपयुक्त नहीं हैं।"

"डॉ. गोस्वामी सलाह देते हैं कि विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए महीने में एक बार 60,000 IU का सैशे पर्याप्त है। यह सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।"

विटामिन डी की कमी के दुष्प्रभाव "विटामिन डी की कमी आपकी हड्डियों को

कमजोर बना सकती है, खासकर अगर आपकी डाइट में कैल्शियम या फ्लोराइड

"डॉ. गोस्वामी कहते हैं, 'रोजाना एक गिलास दूध या 500mg कैल्शियम सप्लीमेंट लेना आपकी हिंडुयों को मजबूत बनाए रख सकता है।' साथ ही, 'नैनो विटामिन डी महंगा है और इसका कोई अतिरिक्त फायदा नहीं

विटामिन डी कैसे लें?

"डॉक्टर सलाह देते हैं कि विटामिन डी सप्लीमेंट को दूध, संतरे के रस या पानी के साथ



लिया जाए। ध्यान रखें कि सप्लीमेंट को सीधे लें. इसे तरल में मिलाने से बचें।"

www.parivahanvishesh.com

"इसके अलावा, धूप भी विटामिन डी का सबसे अच्छा प्राकृतिक स्रोत है। डॉक्टरों का सुझाव है कि सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच 15-30 मिनट तक खुली धूप में रहें। लेकिन ध्यान दें, खिड़की के कांच से गुजरने वाली धप से विटामिन डी नहीं बनता।"

प्रदुषण और भारतीय त्वचा का प्रभाव

"सर्दियों में प्रदुषण और स्मॉग के कारण धूप से मिलने वाला विटामिन डी कम प्रभावी हों जाता है। भारतीय त्वचा में मेलानिन की अधिकता के कारण भी ज्यादा समय तक धूप में रहने की जरूरत होती है।"

"इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल के डॉ. सप्तर्षि भट्टाचार्य कहते हैं, 'सर्दियों में विटामिन डी की जरूरतें गर्मियों की तुलना में काफी ज्यादा होती

प्राकृतिक और डाइटरी स्रोत

"विटामिन डी के प्राकृतिक स्रोतों में सैलमन और कॉड जैसी मछलियां, अंडे, और खास प्रकार के मशरूम शामिल हैं। लेकिन ध्यान दें, एक अंडे में केवल 20 IU विटामिन डी होता है. जबकि रोजाना की जरूरत 1.000 IU होती है। इसलिए सिर्फ डाइट पर निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है।"

किन लोगों को ज्यादा सावधानी की

"इन परिस्थितियों में रहने वाले लोग विटामिन डी की कमी के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं:

* इनडोर काम करने वाले लोग

* हाई फ्लोराइड वाले क्षेत्रों में रहने वाले * टीबी और मिर्गी जैसे रोगों से पीड़ित मरीज

* वहीं. किसान और सिक्योरिटी गार्ड जैसे लोग आमतौर पर पर्याप्त धप से अपनी जरूरत पूरी कर लेते हैं।"

"तो याद रखें, विटामिन डी के लिए हाई-डोज इंजेक्शन पर निर्भर होना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। डॉक्टरों की सलाह मानें, संतुलित डाइट और धूप का सहारा लें, और अपनी हड्डियों और शरीर को स्वस्थ रखें।" आशा करती हूँ आपको हमारी स्वास्थ्य से

जुडी ये खास रिपोर्ट पसंद आई हो "स्वास्थ्य से जुड़ी ऐसी ही महत्वपूर्ण जानकारियों के लिए हमारे साथ बने रहें।"

उपाय आपके समक्ष हैं!" दो अखरोट और दस किशमिश नियमित कुछ दिन बच्चों को खिलाने

नींद में बच्चे बिस्तर पर पेशाब कर

देते हैं और हो जाने के बाद ही उन्हें

पता चलता है।। इस कुछेक घरेल

से बच्चे की बिस्तर पर पेशाब की आदर दूर हो जाती है। सोते समय बच्चों को एक छोटा चम्मच शहद चटायें। रात को बच्चे के पैर हमेशा सामान्य पानी मे धोकर

बच्चों को सोने से पहले पेशाब जरुर कराएं ,रात में भी जब मौका मिले तो ये जरुर करें!!

पेशाब हो जाने पर डाटें – फटकारे नहीं ,प्यार से समझाएं! शाम के बाद तरल पदार्थ कम से कम दें!

दिमागी किसी वजह से बच्चा परेशान है तो स्वर्णमधु दे एक एक चम्मच सुबह शाम दूध में मिलाकर दें! इन छोटे प्रयासों को करने से सोते समय पिशाब करने की शिकायत से मुक्ति मिल जाएगी।

आहार द्वारा लीवर की बिमारियों को सही करने का उपाय

वर यानी जिगर शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। लिवर शरीर की बहुत सी क्रियाओं को नियंत्रित करता है। लिवर खराब होने पर शरीर की कार्य करने की क्षमता न के बराबर हो जाती है। कुछ गलत आदतों की वजह से लीवर जल्दी खराब हो जाता हैं। जैसे शराब का अधिक सेवन करना, धूम्रपान अधिक करना, खट्टा ज्यादा खाना, जंक फूड, पैकेज्ड, अधिक नमक सेवन आदि। आइये जानते हैं आज बिना दवा के सिर्फ आहार से लिवर को सही करने का उपाय।

लिवर को सबसे ज्यादा प्रभावित करते हैं शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स। इसलिए लिवर का उपचार करने से पहले रोगी का खून साफ होना जरूरी है ताकी लिवर पर जमें दूषित दोष नष्ट हो सके और लीवर का भार कम हो सके। इसलिए रोगी को अतरिक्त विश्राम की जरूरत होती है।

इसके लिए प्राकृतिक चिकित्सा कैसे करें ? सुबह उठकर खुली हवा में गहरी सांसे ले। प्रातःकाल उठकर कुछ कदम पैदल चलें और चलते चलते ही खुली हवा की गहरी सांसे लें।

आपको लाभ मिलेगा। सप्ताह में सरसों की तेल की मालिश पूरे शरीर में करें। मिट्टी का लेप सप्ताह में एक बार पूरे शरीर पर जरूर लगाएं। आप सप्ताह में एक बार वाष्प का स्नान भी लें। सन बाथ भी आप कर सकते हो।

लिवर संबंधी बीमारी को दूर करने में आहार चिकित्सा भी जरूरी है। यानि क्या खाएं और कितनी मात्रा में खायें यह जानना भी जरूरी हैं। लिवर की बीमारी को दूर करने के लिए आप इन चीजों का सेवन अधिक से अधिक करें।

,लिवर की बीमारी में जूस का सेवन महत्वपूर्ण माना जाता है। लिवर के रोगी को नारियल पानी, शुद्ध गन्ने का रस, या फिर मूली का जूस अपने आहार में शामिल करना चाहिए। पालक, तोरई, लौकी, शलजम, गाजर, पेठा का भी जूस आप ले सकते हो।स्नेहा समूह

दिन में 3 से 4 बार आप नींबू पानी का सेवन करें। सब्जियों का सूप पीएं, अमरूद, तरबूज, नाशपाती, मौसमी, अनार, सेब, पपीता, आलुबुखारा आदि फलों का सेवन करें।

सब्जियों में पालक, बथुआ, घीया, टिंडा, तोरई, शलजम, अंवला आदि का सेवन अपने भोजन में अधिक से अधिक से करें। सलाद, अंकुरित दाल को भी अधिक से अधिक लें। गाजर का सुप भी लिवर की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है। भाप में पके हुए या फिर उबले हुए पदार्थ का सेवन करें।

,पालक और गाजर का रस का मिश्रण लीवर सिरोसिस के लिए काफी फायदेमंद घरेलू उपाय है। गाजर के रस और पालक का रस को बराबर भाग में मिलाकर पिएं। लीवर को ठीक रखने के लिए इस प्राकृतिक रस को रोजाना कम से कम एक बार

फलो में जामुन लिवर की बीमारी को दूर करने में सहायक होता है। प्रतिदिन 100 ग्राम तक जामुन

का सेवन करें। सेब का सेवन करने से भी लिवर को ताकत मिलती है। सेब का सेवन भी अधिक से अधिक करें। यदि लिवर में सूजन है तो खरबूजे का प्रयोग अधिक से अधिक करें। पपीता भी लिवर को

आंवला विटामिन सी के स्रोतों में से एक है और इसका सेवन करने से लीवर बेहतर तरीके से कम करने लगता है। लीवर के स्वास्थ्य के लिए आपको दिन में 4-5 कच्चे आंवले खाने चाहिए। एक शोध साबित किया है कि आंवला में लीवर को सुरक्षित रखने वाले सभी तत्व मौजूद हैं।

लीवर की बीमारियों के इलाज के लिए मुलेठी एक कारगर वैदिक औषधि है। मुलेठी की जड़ को पीसकर पाउडर बनाकर इसे उबलते पानी में डालें। फिर ठंड़ा होने पर साफ कपड़े से छान लें। इस चाय रुपी पानी को दिन में एक या दो बार पिएं।

लीवर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने के लिए सेब के सिरके का इस्तेमाल करें। खाना खाने से पहले सेब का सिरका पीने से चर्बी कम होती है। एक चम्मच सेब का सिरका एक गिलास पानी में मिलाएं और इसमें एक चम्मच शहद भी मिलाएं। इस मिश्रण को दिन में दो या तीन बार तक पींए। प्राणायाम औरयोगा

अनुलोम विलोम प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम को प्रातः जरूर करें। इन सभी बातों को ध्यान में यदि आप रखेगें तो आप लिवर की बीमारी से बचे रहेगें।

भोजन का आदर और उसकी कद्र करना हम सभी का कर्तव्य : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

बिस्तर पर पेशाब करने वाले

विशेष ध्यान रखें खाना उतना ही लेना चाहिए जितने से अपना मन भर जाएं : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

आगरा,संजय साग़र सिंह। वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने शादी और पार्टियों के सीजन में बहुत ही महत्वपूर्ण और विचारणीय बात कही कि भोजन का अपव्यय न करना, उसका आदर करना और उसकी कद्र करना हम सभी का कर्तव्य है।

वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने आगे कहा, "अक्सर हम देखते हैं कि जब खुद का पैसा खर्च होता है, तो हम खाने का पूरा इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दूसरों के लिए हम अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में भोजन ले लेते हैं, जो आखिरकार बर्बाद होता है। यह न केवल हमारे संसाधनों का अपव्यय है, बल्कि यह उन लोगों के प्रति असम्मान भी है, जिन्होंने हमें यह भोजन तैयार किया और

का पर्व से इंतजाम करें। यथासंभव कछ

अतिरिक्त गर्म कपड़ों का भी भन्डारण किया



उसे हमें परोसा।"

श्री खान ने कहा, "हमारा समाज यदि इस पर ध्यान दे और भोजन की अहमियत को समझे, तो हम न केवल खाने की बर्बादी को रोक सकते हैं. बल्कि एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों को भी सही तरीके से निभा सकते हैं। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा में मदद करेगा, बल्कि यह हमारे साथ-साथ दूसरों की भी मदद करेगा, जिनके पास भोजन की कमी हो

उन्होंने कहा, ₹कृपया हम सभी को भोजन का आदर करना चाहिए। और अपनी आदतों में बदलाव लाना चाहिए। किसी की शादी और पार्टी में प्लेट भरके भोजन को नहीं फेंकना चाहिए।विचार अवश्य करें।बेवजह का खाना खराब ना करें, जितनी जरूरत हो उतना ही खाना ले और अपने इंसान होने का परिचय दे। आपने कल्पना भी नहीं की होगी हमें खाना खिलाने वाले ने कितना पसीना बहाया

अंत में मुशरफ खान ने कहा, "कृपया कहीं पर भी जाएं विशेष ध्यान रखें खाना खराब नहीं होना चाहिए। हमें भोजन की कद्र करनी चाहिए। खाना उतना ही लेना चाहिए जितने से अपना मन भर जाएं। शादी और पार्टियों में भोजन ग्रहण करते समय विशेष ध्यान रखें कि भोजन का आदर और उसकी कद्र करना हम सभी का कर्तव्य हैं।"

मासिक शिवरात्रि आज



हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का वृत रखा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव की तिथि बताया गया है। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन भगवान शंकर की पूजा-अर्चना का विधान है। इस दिन भोलेनाथ को बेलपत्र, पुष्प, धूप-दीप और भोग चढ़ाने और शिव मंत्रों का जाप करने से मनचाहे फल की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में चल रही सभी समस्याओं का समाधान भी निकलता है। कहते हैं कि जो भी इस व्रत को करता है भगवान शिव उनसे प्रसन्न होकर उनके सभी कामों को सफल बनाते हैं।

मासिक शिवरात्रि की व्रत तिथि और शुभ मुहूर्त

पंचाग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का आरंभ 29 नवंबर 2024 को सुबह 8 बजकर 39 मिनट से होगा। चतुर्दशी तिथि का समापन 30 नवंबर को सुबह 10 बजकर 29 मिनट पर होगा। ऐसे में मासिक शिवरात्रि का वृत 29 नवंबर 2024 को रखा जाएगा।

मासिकशिवरात्रि केदिनशिव जी के इन मंत्रों का करें जप ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकिमव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

ॐ महादेवाय नमः। ॐ महेश्वराय नमः।

ॐ श्री रुद्राय नमः। ॐ नील कंठाय नमः।

मासिक शिवरात्रि की पूजा विधि व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें।

स्नान आदि कार्य करने के बाद साफ हरे रंग के कपड़े पहनें। व्रत का संकल्प लें।

भगवान शिव की पूजा करें। शिव जी को गंगाजल, फल, फूल और अक्षत अर्पित करें। इस

दौरान महादेव के मंत्रों का जाप करें। अंत में आरती करके पूजा का समापन करें।

मासिकशिवरात्रि व्रत का महत्व

जो भक्त मासिक शिवरात्रि का व्रत करते हैं, भगवान शिव उनसे प्रसन्न होकर उनके सभी कामों को सफल बनाते हैं। दांपत्य जीवन में खुशियां ही खुशियां आती है। साथ ही अविवाहित जातक के विवाह में आ रही अड़चने दूर हो जाती है और सुयोग्य वर या वधू

शीत ऋतु में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें

एमएचओ डॉ. आनंद चंदेलकर ने रमएचआ डा. आनंद चंदलकर न बताया कि शीत ऋतु में वातावर्ण् का तापमान अत्याधिक कम होने (शीत लहर) के कारण मानव स्वास्थ पर अनेक विपरीत प्रभाव जैसेः- सर्दी, जुकाम, बुखार, निमोनियां, त्वचा रोग, फेफड़े में संक्रमण, हाईपोथर्मिया, अस्थ्मा, एलर्जी होने की आंशका बढ़ जाती है एंव समय पर नियत्रण न किया जाये, उस स्थिति में मृत्यु भी हो सकती है। उक्त प्रभावों से पूर्व बचाव हेतु समयानुसार उचित कार्यवाही की जाने की स्थिति में प्राकृतिक विपदा का सामना किया जा सकता है। यदि किसी स्थान पर एक दिन या 24 घण्टे में औसत तापमान में तेजी से गिरावट होती है, एंव हवा बहुत ठंडी हो जाती है, उस स्थिति को शीत लहर कहते शीत लहर की आंशकां होने पर स्थानीय

मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियों/टी.बी/समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया प्रकाशन का ध्यान रखें ताकि यह पता चल सकें कि आगामी दिनों में शीत लहर की संभावना है या नहीं। शीत ऋत में मौसम के परिवर्तन होने से वातावरण का तापमान कम हो जाता है, जिससे विभिन्न प्रकार के रोग जैसे- खासी, बुखार होने की संभावना रहती है। ऐसे वस्त्र जिनमें कपडे.की कई परते होती है, वह शीत से बचाव हेत् अधिक प्रभावी होते है। आपातकालीन स्थिति होने की स्थिति में आवश्यक वस्तुओं जैसे भोजन,

पानी, ईधन, बैटरी, चार्जर, अपातकालीन

जाये। घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने हेतु

जाये। आवश्यकतानुसार बिस्तर, रजाई,

कंबल, स्वेटर, एंव अन्य आवश्यक वस्तुओं

दरवाजे तथा खिड़िकयों की ठीक से बंद रखा

प्रकाश, और साधारण दवाएं तैयार रखी

जावे। फ्लू, बुखार, नाक बहना/भरी नाक या बंद नाक जैसी विभिन्न-बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लबें समय तक संपर्क में रहने के कारण होती है। अतः आवश्यक होने पर ही घर से बाहर रहें।शीत से होने वाले रोग के लक्षणों के उत्पन्न होने पर तत्काल स्थानीय स्वास्थ कर्मियों या डॉक्टर से परामर्श करें। यथासंभव घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ से संपर्क को रोकने के लिए अनिवार्य होने पर ही यात्रा करें।शरीर को सूखा रखें।शरीर की गरमाहट बनाये रखने हेत् अपने सिर, गर्दन, कान, नाक,हाथ और पैर की पर्याप्त रूप से ढकें। एक परत वाले कपड़े की जगह ढीली फिटिंग वाले परतदार हल्के कपड़े, हवा रोधी/सूती का बाहरी आवरण तथा गर्म ऊनी भीतरी कपड़े पहने। तंग कपडे शरीर में रक्त के बहाव को रोकते है इन कपड़ों का प्रयोग न करें। शरीर की गर्मी बचाये रखने के लिए टोपी/हैट, मफलर तथा आवरण युक्त एंव जल रोधी जतों का प्रयोंग करें। सिर को ढकें क्योंकि सिर के उपरी सतह से शरीर की गर्मी की हानि होती है। यथासंभव बिना उंगली वाले दस्तानें का प्रयोग करें। यह दस्ताने उंगलियों की गरमाहट बचाये रखने में मदद करतें है। फेफड़े में संक्रमण से बचाव हेत् मुंह तथा नाक ढक कर रखें। स्वास्थ वर्धक गर्म भोजन का सेवन किया जाना सुनिश्चित करें, एंव शीत प्रकृति के भोजन से दूर रहें।रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हेतु के लिए विटामिन सी से भरपूर ताजे फल व सब्जियां खाये।गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पिये, इससे ठंड से लड़ने के लिए शरीर में गर्मी बनी रहेगी।तेल, जेली या बॉडी



क्रीम से नियमित रूप से अपनी त्वचा को मॉइस्चराईज करें। बुर्जग, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का यथासंभव अधिक ध्यान रखें क्योंकि उन्हें शीत ऋत का प्रभाव होने की आंशका अधिक रहती है, उनके द्वारा टोपी, मफलर, मौजे, स्वेटर, इत्यादि का उपयोग किया जाना सुनिश्चित करें।भोजन के लिये आवश्यक सामग्री, गर्म तथा परतदार कपड़ों का भंडारण करें। पर्याप्त मात्रा में जल की भी उपलब्धता सुनिश्चित की जाये, क्योंकि वातावरण में तापमान की कमीर से पाईप में पानी जम सकता है।आवश्यकता अनुसार रूम हीटर का उपयोग कमरें के अंदर ही करें।रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रंबध रखें। कमरों को गर्म करने के लिये कोयले का प्रयोग न करें। अगर कोयले तथा लकड़ी को जलाना आवश्यक है तो उचित चिमनी का प्रयोग करें। बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साईड जैसी जहरीली गैस पैदा करती है, जो किसी की जान भी ले सकती है।गैर औद्योगिक भवनों में गर्मी के बचाव हेतु दिशा-निर्देशानुसार रोधन का उपयेग

करें।अधिक समय ठंड के संपर्क में न रहे।शराब न पीएं। यह शरीर की गर्माहट को कम करता है, यह खून की नसों को पतला कर देता है, विशेषकर हाथों से जिसमें हाईपोथर्मिया का खतरा बढ जाता है। शीत में क्षतिग्रस्त हिस्सों की मालिश न करें यह त्वचा को और नुकसान पंहुचा सकता है।शीत लहर के संपर्क में आने पर शीत से प्रभावित अंगों के लक्षणें जैसे कि संवेदनशून्यता सफेद अथवा पीले पड़े हाथ एंव पैरों की उंगलियां कान की लौ तथा नाक की उपरी सतह का ध्यान रखें।अचेतावस्था में किसी व्यक्ति को कोई तरल पदार्थ न दें।शीत लहर के अत्यधिक प्रभाव से त्वचा पीली, सख्त एंव संवेदनशून्य हो सकती है, तथा लाल फफोले पड़ सकते है। यह एक गंभीर स्थिति होती है जिसें गैंगरीन भी कहा जाता है। यह अपरिवर्तनीय होती है। अतः शीत लहर के पहले लक्षण पर ही तत्काल चिकित्सक की सलाह लें। प्रभावित अंगों को तत्काल गर्म करने का प्रयास किया जावें।अत्याधिक कम तापमान वाले स्थानों पर जाने से बचे अन्यथा शरीर के कोमल अंगों में शीतदंश की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। शीत से प्रभावित अंगों को गुनगुने पानी (गर्म पानी नहीं) से इलाज करें। इसका तापमान इतना रखें कि यह शरीर के अन्य हिस्से के लिए आरामदायक हों। कंपकंपी, बोलने में दिक्कत, अनिन्द्रा, मांसपशियों के अकड़न सांस लेने में दिक्कत/निश्चेतना की अवस्था हो सकती है। हाईपोथर्मिया एक खतरनाक अवस्था है जिसमें तत्काल चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता है। शीत लहर/हाईपोथर्मिया से प्रभावित व्यक्ति को तत्काल नजदीकि अस्पताल में चिकित्सीय सहायता प्रदान कराएं।

दिल्ली के प्रशांत विहार में फिर एक और धमाका, इलाके में फैली दहशत

इशिका मुख्य रिपोर्टर न्यूज परिवहन विशेष

उत्तर पश्चिम दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में आज 28.11.24, सुबह 11:48 बजे एक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाका पीवीआर मल्टीप्लेक्स के पास हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम भी घटना स्थल पर रवाना हो गई है। फिलहाल, मामले से जुड़ी और जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

"यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब ठीक एक महीने पहले प्रशांत विहार में सीआरपीएफ स्कूल के पास भी एक विस्फोट हुआ था। उस विस्फोट में स्कूल की दीवार को नुकसान पहुंचा था, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ था। आज का धमाका एक पार्क की बाउंड्री वॉल के पास हुआ है। पुलिस और जांच अधिकारियों ने मौके पर एक सफेद पाउडर जैसा पदार्थ पाया है, जो पिछले स्कूल ब्लास्ट की घटना में भी देखा गया

"पुलिस ने इलाके को सील कर दिया है और जांच जारी है। इस घटना में पास खड़े एक तीन पहिया वाहन के ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं।" "सुबह 11:48 बजे हमें प्रशांत विहार इलाके में एक विस्फोट की सूचना मिली। हमने तुरंत चार फायर टेंडर मौके पर भेजे। हमारी टीम बाकी जानकारियों को जटा रही है।



मौके पर बम डिटेक्शन टीम और डॉग स्क्वाड भी पहुंच चुकी है। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि यह विस्फोट कम तीव्रता का था और पास ही एक मिठाई की दुकान के सामने हुआ। हालांकि, इसे पिछले स्कूल विस्फोट से जोड़ने में

www.newsparivahan.com

अभी जल्दबाजी होगी।₹ यह धमाका बहुत लो-इंटेंसिटी का था। फिलहाल दोनों घटनाओं में कोई कड़ी नहीं मिली है। जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

फिलहाल, प्रशांत विहार में हुए इस धमाके ने

एक बार फिर सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या ये दोनों धमाके आपस में जुड़े हुए हैं? या फिर ये महज एक इत्तेफाक है ? इन सवालों के जवाब हमारी टीम आपके लिए लेकर आएगी.



एक महीने पहले भी हो चुका धमाका

बता दें इससे पहले इसी साल अक्टूबर महीने में ही दिल्ली में रोहिणी सेक्टर-14 के प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास तेज धमाका हुआ था। उस घटना की जांच दिल्ली पुलिस आतंकी समेत सभी पहलुओं पर

धमाके से दुकानों और कारों के शीशे टूटे धमाका ऐसा था कि तीन-चार किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और करीब 20 मिनट तक हवा में सफेद धुएं का गुबार फैला रहा। धमाके से आसपास की कई दुकानों, कार्यालयों व कारों के शीशे टूट गए।

हमारे दो बचे चौथी और छठी कक्षा में पढ़ते हैं। दूसरी बार स्कूल के पास ऐसी घटना हुई है। अब हम न तो खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हुं और नहीं हमारे बच्चे सुरक्षित हैं। -उद्योपति

धमाके की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ ही दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल और साइबर विंग की टीमें पहुंची

इसके अलावा फोरेंसिक लैब की टीमें एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता को भी जांच के लिए बुलाया गया। धमाके में विस्फोटक के इस्तेमाल का पता चलने पर NSG व NIA की टीमों को भी बुलाया

अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने के बाद बार-बार डीएसएफडीसी कर्मचारियों की तनख्वाह की फाइल पर अङ्गा लगाया गया-सीएम आतिशी

नई दिल्ली. दिल्ली कैबिनेट ने आज एक और बड़ा निर्णय लिया है। इसके तहत दिल्ली सरकार कैबिनेट ने एससी/एसटी /ओबीसी/माइनॉरिटी एंड हैंडीकैप फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन के कर्मचारियों के रुके हुए वेतन के लिए 17 करोड़ रुपये जारी करने का निर्णय लिया है।

इस बाबत अपने एक्स(ट्वटर) हैंडल से पोस्ट करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, ₹आजहमने डीएसएफ़डीसी के कर्मचारियों की तनख़्वाह भी शुरू करा दी है। ये कॉरपोरेशन हमारे समाज के एससी/एसटी /ओबीसी माइनॉरिटी और दिव्यांगजनों को सस्ती दरों पर लोन देता है। इन लोगों ने मुझे जेल भेजकर इस कॉर्पोरेशन को भी बंद करने की साजिश रची थी ताकि ग़रीबों को मदद ना मिल सके। लेकिन अब मैं आ गया हूँ, सारे रूके हुए काम करवा

इस बाबत प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए साझा करते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹डीएसएफडीसी कर्मचारियों का वेतन जारी करने के लिए दिल्ली कैबिनेट ने 17 करोड रुपये के ग्रांट इन ऐड जारी करने का निर्णय

लिया है। उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने के बाद बार-बार डीएसएफडीसी कर्मचारियों की तनख्वाह की फाइल पर अडंगा लगाया गया।

उन्होंने कहा कि, अरविंद केजरीवाल से नफ़रत करते करते दूसरी पार्टी दिल्ली के लोगों से भी इतनी नफ़रत करने लगी की इस कॉरपोरेशन के 125 से ज़्यादा कर्मचारियों की महीनों तक तनख़्वाह रोक दी। लेकिन अब सरकार के इस निर्णय से कर्मचारियों को पुरानी रुकी तनख्वाह मिलेगी और आगे की तनख्वाह समय पर सीएम आतिशी ने कहा कि,

दिल्ली सरकार की ये कारपोरेशन एससी/एसटी/ ओबीसी/माइनॉरिटी दिव्यांगजनों को लोन देती है। लेकिन अरविंद केजरीवाल के खिलाफ साजिश रचकर उन्हें जेल में डाला गया। दिल्ली सरकार के ख़िलाफ़ साजिश की गई और कर्मचारियों का तनख़्वाह रोकी गई। इसमें डीएसएफडीसी के 125 कर्मचारी भी थे। जिन्हे जनवरी से



तनख्वाह नहीं दी गई। सीएम में साझा किया कि, हर बार उनकी तनख्वाह की फाइल को आगे भेजी जाती लेकिन उसमें कोई न कोई अडंगा डाल दिया जाता था। लेकिन आज दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने कॉरपोरेशन को 17 करोड़ का ग्रांट इन ऐड देने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि, इससे जिन जिन लोगों की इन कारपोरेशन में तनख्वाह रुकी थी. उन्हें जनवरी से अबतक की तनख्वाह दी जाएगी और आने वाले समय में भी तनख्वाह समय पर मिलेगी। साथ ही कैबिनेट में ये चर्चा भी की गई है कि, इस कारपोरेशन को कैसे रिवाइव किया जा सके ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सके।

सीएम आतिशी ने इस बाबत अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा कि, ₹दिल्ली सरकार की DSFDC SC/ST/ Minority व दिव्यांगजनों को कम दरों पर लोन व अन्य वित्तीय सहायता देती है। अरविंद केजरीवाल से नफ़रत करते करते दूसरी पार्टी इन वर्गों के लोगों से भी इतनी नफ़रत करने लगी की, अरविंद केजरीवाल को जेल में भेजने के बाद इस कॉरपोरेशन के 125 से ज़्यादा कर्मचारियों की महीनों तक तनख़्वाह रोक दी। आज दिल्ली कैबिनेट ने इस कॉरपोरेशन को 17 करोड़ रुपये जारी करने का निर्णय लिया है। ताकि इसके कर्मचारियों को पुरानी रुकी तनख्वाह और आगे की तनख्वाह समय पर मिलती

बॉग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार: खेदजनक

नर्इ दिल्ली: दिल्ली स्टुडी ग्रुप (प्रमुख गैर सरकारी संगठन) के तत्वाधान में ''बॉग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार'' पर विशाल विरोध सभा कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इसमें बॉग्लादेश के हिंदुओं की दयनीय स्थिति पर गहरी चिंता, निराशा व निंदा व्यक्त की गई। इसे वर्तमान में, विश्व के इतिहास में दुःखद अध्याय बताया गया। हिंदुओं के खिलाफ हिंसा, रक्तपात, जबरन इस्लामी धर्मांतरण, विस्थापन और हिंदु अल्पसंख्यकों को चिनहेनतं कर निशाना बनाया जा रहा है। इस विरोध सभा को आलोक कुमार, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद्, परम पज्य जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी (संस्थापक-अहिंसा विश्व भारती व विश्व शांति केंद्र) व एम. नागेश्वर राव, आईपीएस (सेवानिवृत्त) पूर्व सीबीआई निदेशक ने संबोधित किया। दिल्ली स्टडी ग्रप अध्यक्ष डॉ. विजय जौली, विधायक तीसरी विधानसभा दिल्ली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का संचालन महिला नेत्री रित राठौर ने किया। बॉग्लादेश में हिंदुओं के

धार्मिक उत्पीड़न की शुरूआत सरकार के तख्तापलट के बाद हुई। जिसमें बॉग्लादेश की 10वीं निर्वाचित प्रधानमंत्री शेख हसीना को 5 अगस्त 2024 को ढाका से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। और उनकी जगह मोहम्मद यूनुस को नियुक्त किया गया। तब से. अल्पसंख्यक हिंदुओं पर धार्मिक उत्पीड़न और हिंसक हमले कई गुना बढ़ गये हैं।

असंख्य हिंदुओं पर अत्याचार, उनकी सुरक्षा, सम्मान पर आघात और उनकी हत्याएं बड़े पैमाने पर हो रही हैं। हाल ही में बांग्लादेश सम्मिलत सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कष्ण दास की गिरफ्तारी गहरी चिंता का विषय है। हम इसकी निंदा करते हैं। और उनकी तत्काल रिहाई की मांग

बॉग्लादेश में हिंदु समुदाय भेद-भाव, हिंसा और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इससे उनकी व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता व विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही है। चरमपंथी तत्व आगजनी, चोरी और बर्बरता की घटनाओं में लिप्त हैं। जबिक अल्पसंख्यकों पर हमले व लूटपाट बेकाबू है। हिंदू देवताओं व मंदिरों का अपमान दुर्भाग्यपूर्ण और आक्रोशपूर्ण है। बांग्लादेश में धार्मिक घुणा अपराध के बढ़ते मामले निंदनीय व चिंताजनक है।

बॉग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ - आवाज उठाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक सुश्री तुलसी गब्बार्ड व भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हम आभारी हैं।

बॉग्लादेश के हिंदुओं की दयनीय स्थिति, उनकी धार्मिक स्वतंत्रता व सुरक्षा के लिए संवाद को

इस विरोध सभा का उद्देश्य

देश छोड़ने की फिराक में था दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी

नौ फरवरी को नजफगढ़ के एक सैलून में हुई दोहरी हत्या के मुख्य आरोपी हर्ष उर्फ चिंटू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वह खूंखार गैंगस्टर योगेश उर्फ टुंडा और मोंटी मान का साथी है। हर्ष ने फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की कोशिश की थी लेकिन दिल्ली पुलिस ने उसे इंदिरा गांधी एयरपोर्टे से गिरफ्तार कर लिया।

नई दिल्ली।इस वर्ष नौ फरवरी को नजफगढ़ के सैलून में हुए दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपित को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान अलीपुर निवासी हर्ष उर्फ चिंटू के रूप में हुई है, जो खूंखार गैंगस्टर योगेश उर्फ टुंडा और मोंटी मान के गिरोह का साथी है। वह फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भाग गया था। दिल्ली पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) देवेश चंद्र श्रीवास्तव के मृताबिक, नौ फरवरी को थाना नजफगढ में एक पीसीआर काल मिली, जिसमें कहा गया था कि इंद्रा पार्क के पिलर नंबर 88 पर एक लड़के को गोली मार दी गई है। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची जहां देखा कि सिजर डॉट कॉम्ब सैलून में सोनू तेहलान और आशीष तेहलान को गोली लगी थी, जिन्हें बाद में डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। चश्मदीद गवाह नीरज तेहलान के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने जांच शरू की।

दोनों आरोपियों को घोषित



अपराधी घोषित किया गया जांच के दौरान, आरोपितों की

पहचान संजीव कुमार उर्फ संज् दहिया और हर्ष उर्फ चिंट के रूप में हुई। दोनों करीबी दोस्त थे और घटना से एक दिन पहले ही हर्ष रोहिणी जेल से रिहा हुआ था। मृतक आशीष की संजीव से दुश्मनी थी। घटना के दिन सैलून में हर्ष और संजीव की नीरज के साथ बहस हुई थी। हर्ष उर्फ चिंटू संजीव कुमार उर्फ संजु का करीबी दोस्त था और घटना से ठीक एक दिन पहले रोहिणी जेल से रिहा हुआ था। दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय द्वारा 'घोषित अपराधी' घोषित किया गया था। उनकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

इंस्पेक्टर राकेश कुमार और योगेश आदिकी टीम गठित

आरोपितों को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की टीम का गठन किया गया, जिसमें उपायुक्त संजय कुमार सैन के नेतृत्व में इंस्पेक्टर राकेश कुमार और योगेश आदि की टीम गठित की गई थी। जांच के दौरान टीम को जानकारी मिला कि दोनों आरोपित नकली पासपोर्ट के जरिये भारत छोड़कर विदेश में फरार हैं। हर्ष को आखिरी बार अजरबैजान में फर्जी भारतीय पासपोर्ट पर यात्रा करते हुए देखा गया था। उसने पंजाब से प्रदीप कुमार के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था और नौ जून को अमृतसर एयरपोर्ट से

शारजाह के लिए निकला था। शारजाह से वह 27 अगस्त को अजरबैजान में दाखिल हुआ था।

क्राइम ब्रांच ने लक आउट सर्कुलर नोटिस खुलवाया क्राइम ब्रांच ने तुरंत उसका लुक

आउट सर्कुलर नोटिस खुलवाया और एलओसी के आधार पर उसे इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। पछताछ में उसने बताया कि वह खूंखार गैंगस्टर योगेश उर्फ टुंडा का सहयोगी है। उसे पहले अलीपुर थाने में दर्ज जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसने बताया कि वह संजीव दहिया का करीबी दोस्त है और जमानत पर रिहा होने के बाद आठ फरवरी को संजीव उसे रोहिणी जेल से लेने आया था।

हर्ष ने पंजाब से अपना फर्जी

पासपोर्ट बनवाया नौ फरवरी को वे एक सैलन में गए, जहां शिकायतकर्ता नीरज के साथ मृतक आशीष और सोन् तहलान मौजूद थे। वहां उनकी बहस हुई। वे वहां से निकले और कुछ समय बाद वापस सैलुन में आए और आशीष और सोनू को बिल्कुल नजदीक से गोली मार दी और फरार हो गए। हर्ष ने पंजाब से अपना फर्जी पासपोर्ट बनवाया और वह नौ जून को अमृतसर से शारजाह के लिए निकल गया। जहां से वह मोंटी मान के निर्देशानसार अजरबैजान गया।

दिल्ली निर्वाचन आयोग के पास इस बार सवा दो लाख आवेदन आए

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय को मतदाता सूची में सुधार के लिए 2 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें मतदाता सूची में नाम और पते की गलतियों की शिकायतें पता बदलने और नए मतदाताओं के नाम शामिल करने के लिए आवेदन शामिल हैं। 24 दिसंबर तक शिकायतों का निपटारा किया जाएगा और 6 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

नईदिल्ली।विशेष सारांश संशोधन अभियान के तहत मतदाता सूची में सुधार के लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालयको सवा दो लाख आवेदन मिले। जिसमें मतदाता सूची में नाम पते की गलतियों की शिकायतों के अलावा पता बदलवाने व मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम शामिल करने आवेदन भी शामिल हैं।

बुथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा आवेदन के सत्यापन के बाद 24 दिसंबर तक शिकायतों का निपटारा किया जाएगा। इसके बाद छह जनवरी को सीईओ कार्यालय फाइनल मतदाता सूची जारी करेगा। जिसके आधार पर आगामी दिल्ली विधानसभा चनाव होगा।

18वर्षपुरी होने पर भरें फॉर्म 6 दिल्ली की सीईओ आर एलिस वाज ने बताया कि वैसे तो विशेष सारांश संशोधन अभियान के तहत शिकायतें स्वीकार करने की अवधि 28 नवंबर को खत्म हो गई। फिर भी अगले एक जनवरी तक 18 वर्ष की उम्रपूरी करने वाले लोग मतदाता सची में नाम शामिल कराने के लिए अब भी फार्मछह दे सकते हैं। इसके अलावा मतदाता सूची में सुधार के लिए भी आवेदन दिए जा सकते हैं।सीईओ कार्यालय के अनुसार दिल्ली में 123 नए मतदान केंद्र स्थल बढ़ाएँ गए हैं और 53 पुराने मतदान केंद्र स्थल खत्म कर दिए गए हैं। क्योंकि उन मतदान केंद्र स्थलों के भवन जर्जर थे। इसलिए 70 मतदान केंद्र स्थल बढ़ गए हैं।

दिल्लीविधानसभा चुनावमें 2697 मतदान केंद्रस्थल

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या एक समान करने के लिए यह कदम उठाया गया है। लिहाजा, आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में 2697 मतदान केंद्र स्थल होंगे।पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में 2627 मतदान स्थलों

पर बने 13,641 मतदान बुथों में मतदान हुआ था। मतदान केंद्र स्थल की संख्या बढ़ने से विधानसभा चुनाव में मतदान बूथ भी बढ़ेंगे और प्रत्येक बूथ पर औसतन ११८० मतदाता होंगे।

20 अगस्तसे बीएलओ ने घर-घर जाकर निरीक्षण किया

सीइओ कार्यालय का कहना है कि मतदाता सूची में संशोधन के पहले चरण में 20 अगस्त से बीएलओ ने घर-घर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 1.62 लाख आवेदन एकत्रित किए। इसके बाद 29 अक्टूबर को मतदाता सूची का मसौदा तैयार कर मतदाताओं से आवेदन मांगे गए। इसके अलावा नौ व दस नवंबर और 23 व 24 नवंबर को विशेष शिविर लगाकर अभियान

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक धन सिंह गुर्जर की जयंती पर उठा इदाते कमीशन की रिपोर्ट लागू करने की मांग

नर्ड दिल्ली।दिल्ली गण परिषद द्वारा आर्य ऑडिटोरियम ईस्ट ऑफ़ कैलाश में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक कोतवाल धन सिंह गुर्जर की जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कोतवाल धन सिंह गुर्जर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही पंच परमेश्वर संवाद का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख गणमान्य लोगों में दिल्ली सरकार में नेता प्रतिपक्ष बिजेंद्र गुप्ता, भरत भाई पटनी, पूर्व आईपीएस उदय सहाय, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष पाठक, विनय आर्य महामंत्री जिला आर्य प्रतिनिधि सभा, सुमन चंद्र धीर अध्यक्ष एकल अभियान भारत, जगदीश लोहिया अध्यक्ष भारतीय गुर्जर परिषद, विजय कसाना अध्यक्ष भारतीय वीर दल,डॉ रामानंद राजभर के अलावा हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमसीडी के पूर्व चेयरमैन तथा कालकाजी विधानसभा के



को विशेष दर्जा देने तथा उनकी

सामाजिक,आर्थिक, राजनीतिक उत्थान के

लिए बी आर इदाते कमीशन की रिपोर्ट को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।श्री सिंह ने कहा कि ये वीर जातियां अब जाग चुकी है और बी आर इदाते कमीशन की रिपोर्ट को केंद्र एवं राज्य सरकार जब तक अक्षरसः लागू नहीं करती यह जातियां अपना संघर्ष जारी रखेंगी । उल्लेखनीय है कि इदाते कमिश्नर की रिपोर्ट के आधार पर भारत सरकार द्वारा DNT समाज के उत्थान हेत डेवलपमेंट एंड वेलफेयर बोर्ड फ़ॉर डी

नोटिफाई नोमेडिक और सेमी नोमेडिक कॉमिनिटी वर्ष 2019 में बनाया गया। भारत सरकार के समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा 18 अगस्त 2020 को दिल्ली सरकार को DO No.11020/2/2020 DWBDNC पत्र भेजा गया, जिसके तहत विमुक्ति जाति से संबंध रखने वाले को जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना था। परंतु अभी तक दिल्ली सरकार इन वीर जातियों को जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया है।



5 दिन से छापेमारी जारी... रेलवे को घाटा पहुंचाने वाले शातिर गिरफ्तार; नोएडा में चल रहा था बड़ा 'खेल'

नोएडा में गुरुवार को पांचवें दिन भी आरपीएफ की टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने अवैध रूप से ई-टिकट बेचने वाले को गिरफ्तार किया है। आरोपी को उसकी दुकान से पकड़ा गया है। इससे पहले मंगलवार को भी टीम ने आरोपी को पकड़ा था। आरपीएफ पुलिस का कहना है कि अवैध रूप से ई-टिकट बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

गुरुग्राम। रेलवे के ई-टिकटों में अवैध रूप से बुकिंग कराने वाले लोगों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जा रहा है। वहीं, आरपीएफ की छापेमारी से लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। आरपीएफ की टीम ने पांच दिन की छापेमारी में कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरपीएफ ने गुरुवार को अवैध रूप से ई-टिकट बेचने वालों की तलाश में फिर से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने ई-टिकट के साथ आरोपी को पकड़ा है। बताया गया कि पहली बार आरपीएफ की टीम नोएडा में पांच दिन से लगातार छापेमारी की कार्रवाई कर रही है।

दो आरोपी किए गए गिरफ्तार आरपीएफ की टीम ने पांच दिन में अवैध रूप से ई-टिकटों की बुकिंग करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार किए हैं। आरपीएफ ने मंगलवार को नोएडा में छापा मारकर अवैध तरीके से ई-टिकट बनाने के आरोप में एक एजेंट को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को दुकान से दबोचा प्रभारी निरीक्षक यशवंत सलूजा ने बताया कि मोहम्मद सिबटेन पुत्र मोहम्मद नासिर उम्र करीब 25 वर्ष, निवासी बबीता कॉलोनी, बहलोलपुर, सेक्टर 65, थाना सेक्टर 63 नोएडा, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को उसकी दुकान सबील मोबाइल रिपेयरिंग एंड मनी ट्रांसफर बबीता कॉलोनी गांव बहलोलपुर से पकड़ा गया है।

आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बता दें कि उसे रेलवे ई-टिकटों के कमीशन पर अवैध व्यापार करने के जुर्म मे आठ ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसके खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 143 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। अभियुक्त को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज

पूछताछ में खुला बड़ा राज पूछताछ में पता चला है कि उक्त अभियुक्त पिछले कई महीनों से ई-टिकटों का



काम कर रहा था। आरपीएफ की टीम ने बुधवार को नोएडा में फिर छापा मारा। इस दौरान जसवंत सिंह पुत्र मैकूलाल उम्र करीब 22 वर्ष, निवासी गढ़ी चौखंडी, सेक्टर 68, थाना सेक्टर 71 नोएडा, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया था। अवैध व्यापार के जुर्म में हुई कार्रवाई अमित कुमार को डिजिटल सेंटर गढ़ी चौखंडी से ई-टिकटों के कमीशन पर अवैध व्यापार करने के जुर्म में उसकी दुकान से 11 रेलवे ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके विरुद्ध रेलवे सरक्षा बल पोस्ट गाजियाबाद पर रेल अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है ।

आरपीएफ पुलिस का कहना है कि इस तरह अवैध रूप से ई-टिकट बेचने वालों को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा। जो भी अवैध रूप से ई-टिकट बेचता पाया गया, उसके

पार्षद पद की दो सीटों पर उपचुनाव के लिए आज से नामांकन शुरू, 17 दिसंबर को मतदान

गाजियाबाद। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकायों की रिक्त सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। नगर निगम के वार्ड संख्या 19 की पार्षद उर्मिला चौहान और वार्ड संख्या 21 के पार्षद आनंद गौतम के निधन के कारण रिक्त हुई पार्षद पद की दो सीटों पर गाजियाबाद में उपचुनाव होना है।

इनमें वार्ड संख्या 19 पटेल नगर, मुकुंद नगर की सीट अनुसूचित जाति महिला और वार्ड संख्या 21 भोवापुर की सीट अनुसूचित जाति के लिए आरिक्षत है। इन दोनों सीटों पर उपचुनाव के लिए आज सुबह 11 बजे से कलक्ट्रेट स्थित सिटी मजिस्ट्रेट के न्यायालय कक्ष में नामांकन पत्र जमा किए जा सकेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी रणविजय सिंह ने बताया कि पार्षद पर उपचुनाव लड़ने के लिए दावेदार 28 नवंबर से तीन दिसंबर तक कलक्ट्रेट स्थित नगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय कक्ष में सुबह 11 से दोपहर तीन बजे के बीच नामांकन कर सकेंगे।

जमानतधनराशि 1,250 रुपये तय

उपचुनाव के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज पुष्कर को रिटर्निंग अधिकारी और अपर संख्याधिकारी विनय शर्मा, सुधीर शर्मा को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नामित किया गया है। प्रत्याशियों के लिए नामांकन पत्र का मूल्य 200 रुपये और जमानत धनराशि 1,250 रुपये निर्धारित की गई है। उपचुनाव में प्रत्याशियों के लिए अधिकतम व्यय सीमा एक लाख रुपये तय की गई है। वार्ड संख्या 19 में कुल मतदाताओं की संख्या 13,234 और वार्ड संख्या - 21 में कुल मतदाताओं की संख्या 19 में 12 और वार्ड संख्या 21 में 11 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं।

चार दिसंबर को नामांकन पत्रों की समीक्षा होंगी। छह दिसंबर को नामांकन पत्र वापिस लिए जा सकेंगे। 17 दिसंबर को सुबह आठ से पांच बजे के बीच मतदाता दोनों सीटों प्रत्याशियों के चुनाव के लिए ईवीएम के माध्यम से मतदान करेंगे। 19 दिसंबर को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम जारी किए जाएंगे।

दो सीटों पर भाजपा में आठ से अधिक दावेदार

भाजपा में दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कुल आठ से दस दावेदारों के नाम चर्चा में हैं। वार्ड संख्या 19 पटेल नगर और मुकुंद नगर में दिवंगत पार्षद उर्मिला चौहान की बेटी के साथ ही भाजपा की अनुसूचित मोर्चा से सुमन सिंह सहित तीन अन्य नाम चर्चा में हैं। इसी तरह वार्ड संख्या 21 भोवापुर में भी तीन से चार नाम चर्चा में हैं। भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा का कहना है कि भाजपा जल्द ही दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करेगी।

खुशखबरी! यीडा ने फिर निकाली 20 भूखंडों की ग्रुप हाउसिंग योजना, नीलामी से होगा आवंटन; जल्दी करें आवदेन



ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने एक ग्रुप हाउसिंग श्रेणी के लिए भूखंड योजना निकाली है। इस योजना के तहत 20 भूखंडों का नीलामी के आधार पर आवंटन होगा। योजना में आवंदन के समय भूखंड की कुल कीमत की दस प्रतिशत राशि पंजीकरण शुल्क के तौर पर देनी होगी।

नीलामी में सफल होने पर तीस प्रतिशत राशि साठ दिन में और शेष साठ प्रतिशत राशि दो साल की छमाही किस्तों में देनी होगी। 18 दिसंबर तक योजना में आवेदन का मौका दिया गया है।

अगस्त् में निकली थी 19 भूखंडों की ग्रुप

यमुना प्राधिकरण (Yamuna Authority) ने इससे पहले अगस्त में 19 भूखंडों की ग्रुप हाउसिंग योजना निकाली थी। इसमें नौ भूखंडों का नीलामी के आधार पर 1033.65 करोड़ रुपये में आवंटन भी किया गया था।

इसकी लेकिन बाद में इस आवंटन को निरस्त कर दिया गया। योजना में बोली के लिए न्यूनतम दो आवंदन की शर्त पूरी न होने व आवंदकों को एक से अधिक भूखंड की बोली में शामिल होने का मौका दिया गया था।

प्राधिकरण ने आवंटन कर दिया था रह

दोषपूर्ण मानते हुए प्राधिकरण ने आवंटन रद कर दिया था, लेकिन बाद नियमों के बदलाव के साथ 20 ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना निकाली गई है। एक भूखंड के सापेक्ष कम से कम तीन आवेदन मिलने पर ही बोली लगाई।

योजना में शामिल भूखंड सेक्टर 17, 18 व 22 डी में हैं। प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि यीडा क्षेत्र में आवासीय मांग को पूरा करने के लिए निर्मित भवन, भूखंड योजना निकाली जा चुकी है। ग्रुप हाउसिंग योजना से लोगों को यीडा क्षेत्र में घर खरीदने का मौका

चार दिसंबर को नोएडा प्राधिकरण के साथ ऐसी है बैदक

वहीं दूसरी ओर नोएडा में तीन हजार से ज्यादा फ्लैट की रजिस्ट्री के मुद्दे को लेकर खरीददारों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पूर्व कैबिनेट मंत्री और सांसद महेश शर्मा से मुलाकात करने वाला है। प्रतिनिधिमंडल ने हस्ताक्षर के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ (CM Yogi Adityanath), सांसद, डीएम और प्राधिकरण के सीइओ को एक पत्र भेजा है। आगामी होने वाली चार दिसंबर को नोएडा प्राधिकरण सीईओ के साथ होने वाली बैठक में राहत मिलने की उम्मीद जताई है।

'हमारे फ्लैट की रजिस्ट्री करवाओ', तीन हजार से ज्यादा खरीददारों ने पूर्व मंत्री से लगाई गुहार

नोएडा के तीन हजार से ज्यादा फ्लैट खरीददार अब पूर्व कैबिनेट मंत्री और सांसद डॉ. महेश शर्मा से मुलाकात करने वाला है। फ्लैट आवंटियोंन की मांग है कि हमारे फ्लैट की रजिस्ट्री करवाया जाए। बता दें कि नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से भी चार दिसंबर को होने वाली बैठक का खरीदार इंतजार कर रहे हैं।

नोएडा।शहर के तीन हजार से ज्यादा फ्लैट खरीददार रजिस्ट्री के मुद्दे के लिए बने आवंटियों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पूर्व कैबिनेट मंत्री और सांसद डॉ. महेश शर्मा से मुलाकात करेगा।प्रतिनिधि उनसे फ्लैट की रजिस्ट्री के लिए गुहार लगाएंगे और बिल्डर और प्राधिकरण के अधिकारियों की लचर कार्रवाई भी बताएंगे।

वहीं, नोएडा प्राधिकरण (Noida Authority) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से भी चार दिसंबर को होने वाली बैठक का भी आवंटी इंतजार कर रहे हैं। इसमें बिल्डर को दी गई पूरी रकम का ब्योरा दिया जाएगा। आवंटी सौरभ सिन्हा ने बताया कि सांसद डॉ. महेश शर्मा से मिलने के लिए उनके कार्यालय में सम्पर्क किया गया है। अभी अपाइंटमेंट का समय नहीं मिला है।

सभी सवालों में रजिस्ट्री होगा प्रमुख महा प्रतिनिधियों ने मीटिंग के लिए कुछ सवाल तैयार किए हैं।जिनका जवाब जानने के लिए बात की जाएगी।इन सवालों में फ्लैट की रजिस्ट्री प्रमुख मुद्दा होगा।आवंटी उनसे जानना चाहेंगे कि सांसद ने अधिकारियों से रजिस्ट्री के मुद्दे पर कितनी बार और क्या वार्ता की।कितनी सोसायटी में रजिस्ट्री के लिए कैंप लगवाया

आवंटियों द्वारा पैसे जमा करने के बावजूद प्राधिकरण के अधिकारी रजिस्ट्री की प्रक्रिया को किस वजह से शुरू नहीं करा रहे हैं। आवंटियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ, प्राधिकरण के सीइओ, जिलाधिकारी को 250 से ज्यादा आवंटियों के हस्ताक्षर सहित पत्र भेजे हैं।

चार दिसंबर को प्राधिकरण के सीइओ

आवंटी नवीन मिश्रा, नवीन दूबे, कपिल देव, ग्रुप कैप्टन कमलेश गुप्ता, नवनीत जौहरी ने बताया कि अगले महीने के शुरुआत में विभिन्न सेक्टरों से विशाल रैली निकालने की तैयार है। उससे पहले चार दिसंबर को प्राधिकरण के सीइओ डॉ. लोकेश एम के साथ बैठक होगी। इसमें आवंटियों को राहत मिलने

की उम्माद ह।
वहीं दूसरी ओर यमुना प्राधिकरण
(Yamuna Authority) ने ग्रेटर नोएडा
में 20 ग्रुप हाउसिंग भूखंडों के लिए नई योजना
शुरू की है। इस योजना के तहत भूखंडों का
आवंटन नीलामी के आधार पर होगा। आवंदन
के समय कुल कीमत का 10 फीसदी पंजीकरण
शुल्क के रूप में लिया जाएगा। सफल
बोलीदाताओं को 30 फीसदी राशि 60 दिनों के
भीतर और बाकी 60 फीसदी दो साल की
छमाही किस्तों में चुकानी होगी। आवंदन की

अवंटन में नीलामी के लिए अपनाई गई प्रक्रिया को होने वाली बैठक में राहत मिलने की उम्मीद जताई है। मुद्दा अवंटियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बैठक होगी। इसमें आवंटियों को राहत मिलने अंतिम तिथि 18 दिसंबर, 2024 है। वाहि रे अफड़बाज-अफड़ के रही वाहि रोग तो रास्ते की जा देख पाओं वो, जीजल पाजा तो बहुत दूर की बात है!

झुकता वही है, जिसमें जान हैं। अकड़ना तो, मुर्दे की पहचान है।। लक्ष्यों की सफ़लता में मानवीय विशुद्घियां सबसे बड़ी बाधक – म नम्रता, सहयोग, इमानदारी लक्षित मंजिलों तक पहुंचाने की चाबी – एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर अकड़बाजी एक ऐसा अनूठा मानवीय विकार है, जो मानवीय कतार में अंतिम व्यक्ति से लेकर प्रथम व्यक्ति में,चपरासी से लेकर उच्चस्तरीय अधिकारी,संतरी से लेकर मंत्री व देशी उच्चस्तरीय पदासीन से लेकर पूरी दुनियाँ के उच्चस्तरीय पदासीनों में पाया जा सकता है इसीलिए ही अनेक जुमले जैसे,चीन ने दिखाई अपनी अकड़बाजी, अकड़बाज कलेक्टरों को सबक सिखाएंगे सीएम,पद मिलते ही अकड़बाजी बढ़ी जैसे अनेकों जुमले हमें जीवन में अनेकों बार सुनने को मिलते रहते हैं।अभी 23 नवंबर 2024 को विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आते ही एक खबर, प्रिंट व डिजिटल मीडिया में वायरल हुई कि चुनाव जीतने के बाद सर्टिफिकेट मिलते ही चुनाव जीते उम्मीदवार अकड़बाज हुए, यह हेडिंग देखने को मिलीकुदरत ने इस खूबसूरत सृष्टि में मानव काया की अनमोल रचना कर उसे कुशाग्र बुद्धि क्षमता के रूप में अनमोल अस्त्र सौंपा है!तो गुरूर,अभिमान,अहंकार, अकड़, अहंवाद, गुमान, नखरो जैसी अनेक विशुद्धयां भी डाली है, और उसे चुनने की ताकत भी इस मानवीय जीव में डाल दी है ताकि मानवीय जीवन यात्रा में अच्छे काबिल और उचित लोग उस उचित स्थान याने मंजिल तक पहुंच सके और सारी मानवता का कल्याण कर अच्छाई से अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर वापस वैकुंठ धाम में प्रवास करें, हमने अपने बड़े बुजुर्गों से सुने हैं कि जिस मानव के पास लक्ष्मी मां प्रवास करती है तो उसे पद, प्रतिष्ठा देकर उसकी परीक्षा लेती है,जिसमें विकारों से लेकर

उपरोक्त विशुद्घियां और नम्रता, सहयोग, इमानदारी जैसी शुद्धियों का घेरा डालती है, फिर मानव का कार्य है कि अपनी बुद्धि के बल पर विशुद्धियों और शुद्धियों का चुनाव करें स्वाभाविक ही है, कुशाग्र बुद्धि का व्यक्ति शुद्धियों को और बाकी लोग विशुद्धियों को चुनेंगे जिसके कारण विशुद्धियों को चुनने वाले के यहां से लक्ष्मी मां प्रस्थान करती है यह महत्वपूर्ण बात संपूर्ण मानव जाति के लिए रेखांकित करने योग्य बात है। इन उपरोक्त पैरा में बताए गए शब्दों को हम गुरूर में परिभाषित कर सकते हैं, यही लक्ष्यों की सफलताओं में सबसे बडा बाधक है इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि नम्रता, सहयोग, ईमानदारी सहित सभी शुद्धि सूचक शब्दों को अपनाकर लक्षित मंजिलों तक पहुंचकर अपना खुद का, समाज, जिला, राज्य और राष्ट्रीय का भेला कर

साथियों बात अगर हम अकड़ को समझने की करें तो, किसी भी व्यक्ति में अकड़ आती है तो उसके पीछे ज्यादातर दो ही वजह हो सकती है पहला पैसा दूसरा पावर। इन दोनों से अकड़ का बढ़ जाना स्वाभाविक हो जाता है, इनके आगे कोई रिश्ता मायने नहीं रखता है लोगों के लिए।मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि ऐसा मेने अपने आस पास होता हुए देखा है। इतिहास गवाह है कि अकड़ में रहने से नुकसान ही होना है रावण का उदाहरण अद्वितीय है।अकड़ एक खुशहाल परिवार को तबाह कर बस अकेले जीने के लिए भी मजबूर कर सकती है।ये एक तरह का पर्दा आंखों पर डाल देती है जिससे उसको कुछ दिखाई ना दे ।जब कोई इंसान आपसे मेलजोल बनाये नही रखेगा तो अपने आप ही अपने मन मे में ब उसके प्रति व्यवहार कम हो जाएगा या यूं कहें कि खत्म ही हो जाएगा।आजकल सबको ये पसन्द है कि अच्छे से विनम्र होकर कोई बात करे सम्मान दे।अकड में रहने से इंसान अकडा जाता है। उनकी विचारधारा अलग ही स्तर की होती है वो मानते हैं कि बस जो है हम है तो ऐसे स्वभाव के लोग रिश्ते क्या समझ पाएँगे ? रिश्तों को निभाने के लिए विन्नम के साथ साथ मिलनसार होना भी बहुत आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम अपने दैनिक दिनचर्या की करें तो हमारा शासकीय, अशासकीय, निजी क्षेत्रों में अनेक ऐसे पदों पर बैठे अधिकारियों, व्यक्तियों, कर्मचारियों से पाला पड़ा होगा और हम सोचने पर मजबूर हो गए होंगे? कि पद के लिए कितना गुरूर है इन्हें! जब यह पद चला जाएगा या रिटायर्ड हो जाएंगे तो इनका क्या होगा और हमने अपनी आंखों से ऐसे व्यक्तियों की बुरी हालत होते देखी है, उनका परिवार अशांत रहता है, आंतरिक सुख उन्हें कभी नहीं मिलता क्योंकि उन्होंने जीवन भर अपने गुरूर और भ्रष्टाचार को अपना रखा था तो उनका जीवन कभी सुखी नहीं होगा वह अपने जीवन के लक्ष्य तक कभी पहुंच नहीं पाएंगे ऐसी गारंटी है।

साथियों बात अगर हम गुरूर रूपी विशुद्धि से हानियों की करें तो, गुरुर जीवन का सबसे बड़ा संकट है, ये जिस पर छा जाता है, उसके जीवन को बर्बाद कर देता है। गुरुर को हम गर्व भी मानते है, इतिहास गंवा है, जो व्यक्ति गुरुर से अलंकृत हुए है, उनका नाश शीघ्र ही हुआ है! !जिसमे हम सबसे प्रमुख राजा रावण को ले सकते है। गुरुर से बुद्धि का नाश होता है। गुरुर एक लत है और यह लत जिसको लगती है उसका जीवन बर्बादी की ओर अग्रसर होता है अपने जीवन में गुणों को प्रवेश नहीं देता है और खुद को बड़ा समझ कर दूसरों को नीचा समझता है इसी बीच वह अपने ज्ञान मे बढ़ोतरी नहीं कर पाता है,ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

साथियों बात अगर हम गुरुर के चक्रव्यूह में फंसे इंसान की करें तो, गुरुर के चक्रव्यूह से ग्रसित इंसान कभी किसी के अनुसरण को स्वीकार नहीं कर पाता। अंततः एक ही परिणति को प्राप्त होता है, वह है सर्वनाश। जब व्यक्ति गुरुर के चक्रव्यूह में फंसा होता है तो नम्रता, बुद्धि, विवेक चातुर्य सभी गुण उससे दूर हो जाते हैं। उस व्यक्ति की नजर में हमेशा सभी लोग निम्न स्तर के ही होते हैं। सदैव दूसरों की राह में बाधा उत्पन्न कर प्रसन्नता अनुभव करते हैं। औरों को गिराकर अपनी राह बनाने की चेष्टा करते रहते हैं। वे लोग अपने दंभ में इतनी वृद्धि कर लेते हैं कि कल्पना भी नहीं कर पाते कि एक दिन उनका पतन भी अवश्यंभावी है।

पात कि एक दिन उनकी पतन भी अवश्यभावी है। साथियों गुरुर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है, क्योंकि गुरुर मनुष्य का सर्वनाश करके छोड़ता है। वह मनुष्य के विवेक को हर लेता है। उसकी बुद्धि को भ्रष्ट कर देता है। गुरुर अर्थात अहंकार से ग्रस्त व्यक्ति अपने सामने किसी को कुछ नहीं समझता और वो खुद को ही सर्वे-सर्वा और सर्वश्रेष्ठ समझता है। गरुर मनुष्य को गर्त में ले जाता है। गरूर की रुचि दिखाने में होती है। प्रतिभा का प्रदर्शन भी होना चाहिए, परंतु यदि प्रतिभा में जुगनू-सी चमक हो तो गरूर पैदा होगा और यदि सूर्य-सा प्रकाश हो तो प्रतिभा का निरहंकारी स्वरूप सामने आएगा।

साथियों बात अगर हम गुरूर से बचने की कवायत की करें तो, बुद्धि के क्षेत्र में तर्क है, हृदय के स्थल में प्रेम और करुणा है। अहं कार यहीं से गलना शुरू होता है। अपनी प्रतिभा के बल पर आप कितने ही लोकप्रिय और मान्य क्यों न हो, पर गरुर के रहते अशांत जरूर रहेंगे। अहं छोड़ने का एक आसान तरीका है मुस्कराना। गरूर का त्याग करके मनुष्य ऊँचाई को प्राप्त कर सकता है। इसलिए मुस्कराइए, सबको खुशी पहुँचाइए और गुरुर को भूल जाइए।

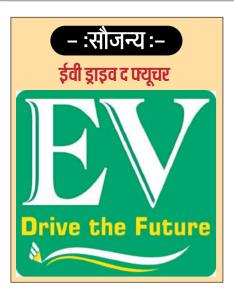
अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वाह रे गुरुर, गुरुर में रहोगे तो रास्ते भी ना देख पाओगे, मंजिल पाना तो बहुत दूर की बात है,लक्ष्यों की सफलता में गुरुर सबसे बड़ा बाधक-नम्रता, सहयोग, ईमानदारी लक्षित मंजिलों तक रेवड़ी संस्कृति विकास पथ में रोड़ा

रेवड़ी शब्द के साथ संस्कृति शब्द का उपयोग कदाचित उचित नहीं माना जा सकता है, क्योंकि संस्कृति शब्द अपने आप में व्यापक व्याख्या समेटे हुए है, तथापि सामान्य लोगों को आसानी से समझ में आ जाए, संभवतः रेवड़ी के साथ संस्कृति शब्द प्रचलन में है। हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नवीनतम नतीजों में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें बीजेपी गठबंधन ने जीती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने 28 जून 2024 को मुख्यमंत्री माझी लडक़ी (लाडक़ी) बहिना योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के जरिए महाराष्ट्र में 21 से 65 साल की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है। राज्य सरकार को महिलाओं के कुल 1.12 करोड़ आवेदन मिले थे, जिनमें से 1.06 करोड़ आवेदन स्वीकृत किए गए थे। ऐसा अनुमान है कि इस बार के चुनावों में महिलाओं ने भाजपा गठबंधन के पक्ष में खूब मतदान किया जिस वजह से महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की पुनः सरकार बनने जा रही है। फ्रीबीज यानी मुफ्त की रेविडियों का यह एक और उदाहरण कहा जा सकता है जिससे प्रभावित होकर महाराष्ट्र की महिलाओं ने एकतरफा मतदान कर चुनाव पूर्व सारे अनुमानों को झुठला दिया है। भारत 50 साल पहले भी विकासशील राष्ट्र था और आज विश्व की पांचवीं बडी अर्थव्यवस्था बन जाने के बाद भी विकासशील देश का ही

आखिर क्या वजहें हैं कि द्वितीय विश्व यद्ध में परी तरह से ध्वस्त हो चके जर्मनी और जापान जैसे देश अपने विजन, राष्ट्रप्रेम, दूरदर्शी निर्णयों और कठोर परिश्रम के बलबूते विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़े हुए हैं, जबिक विश्व की सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला देश भारत अभी भी हमारे नेताओं की अदूरदर्शिता, पब्लिक फंड के गलत इस्तेमाल, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और मुफ्त की रेवडियां बांटने की राह पर चलते हुए विश्व की सर्वाधिक गरीबी की रेखा वाले देशों में से एक की श्रेणी में बना हुआ है। इस साल 2024 के वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है और भारत का स्कोर 27.3 है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। भारत में गरीबी के प्रमुख कारणों में भ्रष्टाचार, शिक्षा की कमी, धन का असमान वितरण, जनसंख्या विस्फोट, जाति व्यवस्था, लोगों की स्वार्थपरक मानसिकता, अमीर-गरीब की खाई और राजनीतिक वित्तीय कुप्रबंधन शामिल हैं। भले ही भारत ने दुनिया के टॉप-10 धनी देशों में जगह बना ली हो, लेकिन कर्जदार देशों की लिस्ट में भी भारत आठवें स्थान पर मौजूद है। भारत पर 2023 तक 3057 अरब डॉलर का कर्ज था। रेवड़ी संस्कृति, जिसे अंग्रेजी में फ्रीबीज कल्चर भी कहते हैं, यद्यपि कई मायनों में मानव एवं सामाजिक कल्याण के दृष्टिकोण से अच्छा भी

मानी जाती है। फ्रीबीज की शुरुआत सन1956 से हुई मानी जा सकती है, जब मध्याहन भोजन योजना पहली बार वर्ष 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की 2 रुपए किलो चावल योजना ने आज के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की नींव रखी थी। तेलंगाना की रायथु बंधु और ओडिशा की कालिया योजनाओं ने किसानों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अग्रदूत के रूप में कार्य किया है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के एक अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्य महिलाओं को सिलाई मशीन, साडियां और साइकिलें उपलब्ध कराते हैं, जिससे इन उद्योगों की बिक्री को बढ़ावा मिलता है, जिसे संबंधित उत्पादन के कारण अपव्यय के बजाय उत्पादक निवेश माना जा सकता है। महिलाओं के लिए बस पास जैसी फ्रीबीज सुविधाएं महिलाओं को क्रियाशील कार्यबल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती हैं जिससे महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलता है।

तथापि भारत के निर्वाचन आयोग को चुनावों के दौरान मुफ्त वाली घोषणाओं की प्रभावी निगरानी और उनके विनियमन को सुनिश्चित करने की जरूरत है। नागरिकों को भी अल्पकालिक लाभ से प्रभावित होने के स्थान पर राजनीतिक दलों के दीर्घकालिक विकास एजेंडे के आधार पर मतदान के समय देशहित में निर्णय लेने के लिए शिक्षित किए जाने की



रिलॉक्स ईवी ने शहरी लॉजिस्टिक्स के लिए बिजली ट्रायो इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया लॉन्च

www.newsparivahan.com

रिलॉक्स ईवी ने अपने इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर ई-कार्ट, रिलॉक्स ईवी ट्रायो को लॉन्च करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य छोटे और मध्यम व्यवसायों की लॉजिस्टिक्स और ख़ुदरा गतिशीलता को बढ़ाना है। इस वाहन को दोपहिया और बडे थ्री-व्हीलर के बीच की खाई को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है, जो शहरी लॉजिस्टिक्स और अंतिम-मील डिलीवरी के लिए एक व्यावहारिक और पर्यावरण के अनुकुल समाधान प्रदान करता है।

बिजली ट्रायो 100-120 किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है और इसकी लोडिंग क्षमता 500 किलोग्राम तक है, जिसकी शुरुआती

कीमत 1.35 लाख रुपये है, जो स्थानीय करों और सब्सिडी के आधार पर भिन्न हो सकती है। वाहन 1200W मोटर जो 60V, IP67 रेटिंग से लैस है जो विश्वसनीय प्रदर्शन प्रदान करता है। इसमें एक अलग करने योग्य 3KW की NMC बैटरी है, जो लचीले उपयोग की अनुमति देती है, और प्रभावी ऊर्जा प्रबंधन के लिए साइन वेव 15-ट्यूब नियंत्रक 60V-40 एम्प्स और 40 एम्प्स 12-90V पर रेटेड MCB द्वारा समर्थित

द्रियो में टेलिस्कोपिक सस्पेंशन, पीछे की तरफ एक बड़ा कार्गो एरिया और टिकाऊपन और आराम के लिए कास्ट एल्युमिनियम एलॉय फ्रेम शामिल है। यह सुरक्षित कार्गी बॉक्स के

साथ या उसके बिना कॉर्नफ़गरेशन में उपलब्ध है, जो विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं को परा करता है। इस डिज़ाइन का उद्देश्य मोबाइल वेंडिंग से लेकर अंतिम-मील डिलीवरी तक विभिन्न व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए प्रदर्शन और व्यावहारिकता को संतुलित करना है।

रिलॉक्स ईवी के सह-संस्थापक और सीईओ आवेश मेमन ने इस बात पर जोर दिया कि बिजली ट्रायो लॉजिस्टिक्स व्यवसायों की जरूरतों को पूरा करता है और विकास और परिचालन दक्षता के लिए एक टिकाऊ, लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करता है। यह उत्पाद छोटे और मध्यम व्यवसायों द्वारा सामना की जाने वाली अनुठी चुनौतियों का समर्थन करने के



लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और इसका उद्देश्य अधिक कुशल और पर्यावरण के

अनुकूल शहरी परिवहन समाधानों में योगदान

f DEV

हीरो मोटोकॉर्प ने "हीरो फॉर स्टार्टअप्स" एक्सेलेरेटर कार्यक्रम किया पेश



परिवहन विशेष न्यूज

मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली अग्रणी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने नवाचार को बढावा देने और उभरते व्यवसायों को समर्थन देने के लिए हीरो फॉर स्टार्टअप्स (HFS) कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल भारत और उसके बाहर मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने के हीरो मोटोकॉर्प के विजन का हिस्सा है, जिसमें ऑटोमोटिव क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-संचालित उन्नति और प्रतिभा विकास पर जोर दिया गया है।

एचएफएस कार्यक्रम को ऐसे स्टार्टअप की पहचान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिनमें उद्योग में परिवर्तनकारी समाधान लाने की क्षमता है। हीरो मोटोकॉर्प के व्यापक संसाधनों और नेटवर्क का उपयोग करके, यह पहल इन स्टार्टअप को बढ़ने और गतिशीलता परिदृश्य में योगदान करने के अवसर प्रदान करती है। चयनित प्रतिभागियों को जर्मनी और भारत में कंपनी की अनुसंधान और विकास सुविधाओं के साथ-साथ डीलरों, आपूर्तिकर्ताओं और भागीदारों के नेटवर्क तक पहुँच प्राप्त होगी। स्टार्टअप को पेड प्रूफ़ ऑफ़ कॉन्सेप्ट (PoCs) पर काम करने का भी मौका मिलेगा और सफल परिणामों के कारण उनके समाधानों को हीरो मोटोकॉर्प के उत्पाद पोर्टफोलियो में एकीकृत किया जा सकता है. जिससे बाजार में उनकी

पहुँच और विकास की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं।

इस पहल का उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकियों और अभिनव समाधानों के विकास को बढ़ावा देना है जो गतिशीलता क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करते हैं। हीरो मोटोकॉर्प का लक्ष्य ऑटोमोटिव उद्योग पर दीर्घकालिक प्रभाव की क्षमता वाले स्केलेबल और टिकाऊ नवाचारों को बढावा देना है।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्टार्टअप को हीरो के आरएंडडी, विनिर्माण और व्यावसायिक टीमों तक पहुंच सहित व्यवसाय विकास सहायता और तकनीकी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम का हिस्सा अनुकूलित बूटकैंप हैं, जो प्रतिभागियों को उद्योग की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए अपनी तकनीकी और परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त हीरो मोटोकॉर्प के नेतत्व और उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन स्टार्टअप को अपने उद्यमों को बढाने और क्षेत्र में सार्थक योगदान देने में मार्गदर्शन करेगा।

हीरो फॉर स्टार्टअप्स पहल के माध्यम से हीरो मोटोकॉर्प का लक्ष्य एक सहयोगात्मक मंच बनाना है जो नवाचार और स्थिरता को प्रोत्साहित करता है तथा ऑटोमोटिव उद्योग में परिवर्तनकारी बदलावों का मार्ग प्रशस्त करता

हैदराबाद की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ग्रेवटन बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए तैयार

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद की ईवी फुल-स्टैक कंपनी ग्रेवटन मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड दो साल की रुकावट के बाद इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में वापस आ गई है। अपनी घरेल (एलएमएफपी) बैटरियों के साथ नए बैटरी विनियमन द्वारा उत्पन्न बाधा को दर करने के बाद, कंपनी अब अपनी विकास योजना को गति दे रही है, जिसके लिए ग्रेवटन ने दो नई इलेक्ट्रिक बाइक पेश करने, नई विनिर्माण सुविधाएं खोलने, कंपनी के स्वामित्व वाली-कंपनी संचालित (को-को) शोरूम खोलने और अपनी टीम को और मजबूत करने का रोडमैप तैयार किया है।

ग्रेवटन मोटर्स के संस्थापक और सीईओ परशराम पाका ने यहां मीडिया को बताया. ₹2022 में आधिकारिक तौर पर अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल पेश करने के बाद, उत्पादन बढाने और बाजार में मजबती से उतरने के लिए 150 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना थी। चुंकि नए बैटरी विनियमन के कारण लॉन्च में देरी हुई, इसलिए हमें अपनी विस्तार योजना को रोकना पड़ा। अब तक, एंजेल निवेशकों, पारिवारिक कार्यालयों और अमेरिका के निवेशकों से जुटाए गए 40 करोड़ रुपये हमारे प्रमुख क्वांटा के विकास, निर्माण और बाजार में प्रवेश करने में खर्च हो



गए हैं।"

वर्तमान में ग्रेवटन के पास हैदराबाद में ईसीआईएल के पास एक को-को शोरूम है. और चेरलापल्ली में 50,000 वर्ग फीट में फैली एक विनिर्माण सुविधा है, जिसमें प्रति वर्ष 30,000 इकाइयों का निर्माण करने की क्षमता है। अगले 12 महीनों में कंपनी दक्षिण भारत में लगभग 14 को-को शोरूम खोलने की योजना बना रही है। सीईओ ने कहा. ₹शरुआत में हम को-को शोरूम से शरुआत करेंगे और बाद में हम फ्रैंचाइज़ी मॉडल पर विचार करेंगे। तेलंगाना में हम तुरंत हैदराबाद,

वारंगल, करीमनगर और अन्य प्रमुख केंद्रों में एक-एक को-को शोरूम खोलेंगे।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक के अलावा,ग्रेवटन अपने को-को शोरूम के साथ महाराष्ट्र और भारत के उत्तरी हिस्से में प्रवेश करेगा। अपने प्रमुख क्वांटा के लिए प्राप्त 10,000 प्री-ऑर्डर में से परशुराम पाका ने कहा कि पुणे से सबसे अधिक ऑर्डर आए हैं, उसके बाद तेलंगाना और अन्य दक्षिणी राज्यों से।

उन्होंने कहा, ₹चूंकि हमने महाराष्ट्र से 3,000 से अधिक ऑर्डर पंजीकृत होते देखे हैं, इसलिए वहां एक विनिर्माण इकाई स्थापित करना व्यावहारिक लगता है।

उन्होंने बताया. रमांग के आधार पर हम 18 महीने बाद इस पर फैसला लेंगे। इस बीच चेरलापल्ली में मौजूदा इकाई से कुल क्षमता का 50 प्रतिशत हासिल करने के बाद, हमारी तेलंगाना में नई सुविधा खोलने की योजना है।

2023 में ग्रेवटन ने आर्क को पेश किया था, जो एक ऑल-टेरेन इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स बाइक का संस्करण है। इसके निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए संस्थापक ने एक नई सुविधा पर निवेश करने का उल्लेख किया।

मैजेंटा मोबिलिटी ने अभिनव प्लग-एंड-प्ले ईवी चार्जर के लिए हासिल किया पेटेंट

मैजेंटा मोबिलिटी को अपने प्लग-एंड-प्ले ईवी चार्जर के लिए पेटेंट मिला है, जिसे इसके कैप्टिव इलेक्ट्रिक वाहन बेडे की चार्जिंग को सपोर्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह विकास ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पेटेंट संख्या ४४८७६५ और आवेदन संख्या 202121020247 के तहत दिया गया पेटेंट पुष्टि करता है कि मैजेंटा मोबिलिटी ने 18 से अधिक शहरों में अपने 100 से अधिक चार्जिंग डिपो में ईवी चार्जिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से एक समाधान विकसित किया है। इस तकनीक का उद्देश्य भारत भर में फ्लीट चार्जिंग और संचालन के लिए आवश्यक समय को कम करना और पहुँच में सुधार करना है। प्लग-एंड-प्ले चार्जर को न्यूनतम इंस्टॉलेशन की आवश्यकता होती है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को सविधाजनक तरीके से चार्ज किया जा सकता है।

मैजेंटा मोबिलिटी के संस्थापक और सीईओ मैक्ससन लुईस ने कहा, ₹हमें इस पेटेंट की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो ईवी क्षेत्र में कुशल चार्जिंग समाधान प्रदान करने और टिकाऊ परिवहन का समर्थन करने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है।" यह पेटेंट तकनीक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में मैजेंटा मोबिलिटी की स्थिति को मजबूत करती है और भारत में ईवी इकोसिस्टम के विकास में योगदान देती है। प्लग-एंड-प्ले चार्जर का उद्देश्य चार्जिंग को अधिक सलभ और उपयोगकर्ता के अनुकल बनाना है, जिससे

टिकाऊ परिवहन समाधानों की आवश्यकता को पूरा किया जा

मैजेंटा मोबिलिटी एक

भारतीय कंपनी है जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों में विशेषज्ञता रखती है, जो देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में सहायता करने के लिए बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करती है। अधिक टिकाऊ परिवहन नेटवर्क में योगदान देने के उद्देश्य से स्थापित कंपनी ईवी चार्जिंग समाधान और बेड़े सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करती है। मैजेंटा मोबिलिटी प्रमुख भारतीय शहरों में चार्जिंग डिपो का एक नेटवर्क संचालित करती है, जो अपने कैप्टिव इलेक्ट्रिक वाहन बेड़े की चार्जिंग आवश्यकताओं को सविधाजनक बनाती है और ईवी पारिस्थितिकी तंत्र में अन्य हितधारकों का समर्थन करती है।

कंपनी ने प्लग-एंड-प्ले चार्जर जैसे नवाचारों के माध्यम से ईवी चार्जिंग प्रक्रिया को सरल बनाने में प्रगति की है, जिसके

लिए न्यूनतम इंस्टॉलेशन की आवश्यकता होती है और चार्जिंग

प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलती है। इस तकनीक का उद्देश्य विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की पहुंच और दक्षता को बढ़ाना है, जो स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन के लिए व्यापक प्रयास में योगदान देता है। मैजेंटा मोबिलिटी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने और जहाँ तक संभव हैं वहां तक अक्षय

ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने के लिए साझेदारी और सहयोग में भी संलग्न है। स्केलेबल और उपयोगकर्ता-अनुकूल समाधानों पर ध्यान केंद्रित करके, कंपनी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढावा देना और भारत के हरित अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव का समर्थन करना है। अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से, मैजेंटा मोबिलिटी देश में ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार में योगदान देना जारी रखती है.

19 दिसंबर को लॉन्च होगी किआ साइरोस, पैनोरिमक सनरूफ समेत मिलेंगे एडवांस फीचर्स

कोरियाई ऑटोमेकर भारतीय बाजार में Kia Syros को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। वहीं अब इसके तारीक की घोषणा भी हो गई है। कंपनी किआ साइरोस को भारत में 19 दिसंबर 2024 को लॉन्च करने जा रही है। इसमें पैनोरिमक सनरूफ के साथ एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही इसमें डुअल-टोन इंटीरियर थीम भी हो सकता है।

नर्ड दिल्ली। किआ साइरोस भारत में कोरियाई ऑटोमेकर की अगली बड़ी लॉन्च होने वाली है। किआ इसे कई बार टीज कर चुकी है, जिसमें इसकी नाम की पष्टि होने के साथ ही डिजाइन भी देखने के लिए मिला हैं। वहीं, अब इसकी लॉन्चिंग डेट भी सामने आ गई है। कंपनी Kia Syros को भारतीय बाजार में 19 दिसंबर को लॉन्च करने जा रही है। आइए जानते हैं कि किआ साइरोस में क्या-क्या फीचर्स देखने के लिए मिलेंगे।

किआ साइरोस में पैनोरमिक सनरूफ का फीचर मिलेगा। हाल में कंपनी की आने वाली सॉनेट केवल िसंगल-पैन सनरूफ के साथ आती है। वहीं, यह पहले की तुलना में ज्यादा प्रीमियम पेशकश के साथ आएगी।

इसमें स्टैक्ड 3-पॉड एलईडी हैडलाइट्स देखने के लिए मिल सकती है जो लंबे एलईडी डीआरएल के साथ जुड़ी होगी। बाहरी हाइलाइट्स में बड़े विंडो पैनल, एक सपाट छत और सी-पिलर की ओर विंडो बेल्टलाइन में एक किंक दिया जा सकता है।

वहीं, इसमें फ्लेयर्ड व्हील आर्च, एक मजबूत शोल्डर लाइन और फ्लश-टाइप डोर हैंडल भी मिलने की उम्मीद है। इसके आलाव लंबा रूफ लेन, एल-आकार की टेल लाइट और एक सीधा टेलगेट भी हो सकता है।

किआ की तरफ से अभी तक साइरोस के केबिन और उसके फीचर्स के बारे में किसी तरह की जानकारी शेयर नहीं की है। हमें उम्मीद है कि इसमें सॉनेट और सेल्टोस एसयुवी जैसा केबिन देखने के लिए मिल सकता है। इसमें डुअल-टोन इंटीरियर थीम देखने के लिए मिल सकता है। इसके साथ ही 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील भी हो सकता है। फीचर्स के मामले में इसमें सॉनेट और सेल्टोस जैसा ही डअल-डिस्प्ले सेटअप, ऑटो एसी, पैनोरिमक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें और वायरलेस फोन चार्जर जैसी सुविधाएं मिल सकती है।

प्रयागराज में महाकुंभ से पहले 13,400 पंजीकृत ई-रिक्शा के लिए रंग कोड और रूट तय



परिवहन विशेष न्युज

आगामी महाकुंभ 2025 के दौरान संगम नगरी में यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों ने शहर के विभिन्न मार्गों पर चलने वाले ई-रिक्शा को रंग कोड आवंटित किए हैं। आरटीओ अधिकारियों ने बताया कि शहर में 13,400 पंजीकृत ई-रिक्शा को आवागमन के लिए उपयुक्त पाया गया है और केवल इन्हें ही यात्रियों को ले जाने की अनुमति दी जाएगी।

सोमवार, 25 नवंबर को आरटीओ कार्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में ई-रिक्शा चालकों को उनके निर्धारित रूट के अनुसार रंगीन स्टिकर प्रदान किए गए। अधिकारियों ने विभिन्न रूटों पर ई-रिक्शा की आवाजाही के लिए नियम और प्रतिबंध भी घोषित किए।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजेश कमार मौर्य ने बताया कि शहर में 13,400 पंजीकृत ई- रिक्शा आवागमन के लिए उपयुक्त पाए गए हैं। पूर्ण दस्तावेज, टैक्स, फिटनेस और बीमा वाले ई-रिक्शा को महाकुंभ-2025 के दौरान आवागमन की अनुमित दी जाएगी। ई-रिक्शा की छत को उनके निर्धारित रूट के कलर कोडिंग के अनुसार रंगा जाएगा। ई-रिक्शा पर महाकुंभ-2025 का लोगो और वाहन का सीरियल नंबर अंकित होगा।

ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ स्टाफ यह सनिश्चित करेंगे कि कलर कोडिंग और महाकुंभ लोगो वाले ई-रिक्शा अपने निर्धारित रूट पर ही चलें। आरटीओ उन ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई करेगा जो कलर कोड का उल्लंघन करते हैं और अलग रूट पार करते हैं। बिना लोगो और कलर कोड वाले ई-रिक्शा को आरटीओ द्वारा प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

आरटीओ अधिकारियों ने बताया कि यह कदम शहर में यातायात को सुचारू रूप से

चलाने के लिए उठाया गया है और इससे महाकुंभ के दौरान प्रयागराज पहुंचने वाले करोडों तीर्थयात्रियों को भी मदद मिलेगी।

झंसी और दारागंज के पते पर पंजीकृत ई-रिक्शा झंसी क्षेत्र में जिराफ क्रॉसिंग से शास्त्री ब्रिज तक चलेंगे और उनकी छतें हरे रंग की

नैनी के पते पर ई-रिक्शा का रंग कोड नीला होगा और वे नये और पुराने यमुना पुल तक यात्रियों को ले जाते समय उसी क्षेत्र से गुजरेंगे।

फाफामऊ, तेलियरगंज और राजापुर के पते पर ई-रिक्शा फाफामऊ क्षेत्र में चंद्रशेखर आजाद ब्रिज से तिकोनिया क्रॉसिंग तक चलेंगे

और उनका रंग कोड पीला होगा।

धूमनगंज के पते पर पंजीकृत ई-रिक्शा का रंग कोड लाल होगा और वे बमरौली, मुंडेरा, झलवा, राजरूपपर में चलेंगे तथा चौफटका से आगे शहर की ओर नहीं जाएंगे।

प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों से मौसम पर असर



विजय गर्ग

प्लस्टिक के स्टिक के सुक्ष्म कणों (माइक्रोप्लास्टिक) से दुनिया भर में एक नया खतरा पैदा हो गया है। वैज्ञानिकों को समुद्र की गहराइयों से लेकर माउंट एवरेस्ट पर भी इनकी मौजूदगी के सबूत मिले हैं। ये सूक्ष्म कण भोजन, पानी और हवा में भी घुल चुके हैं। अब एक नए शोध में सामने आया है कि इन सुक्ष्म कणों के कारण मौसम प्रणाली में भी बाधा पैदा हो रही है। इनकी वजह से बादल बनने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इसके प्रभाव को जलवायु परिवर्तन के एक कारक के रूप में भी देखा जा रहा है।

पोसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी से जुड़े

वैज्ञानिकों द्वारा किए इस नए अध्ययन से पता चला है कि प्लास्टिक के ये कण बादलों के निर्माण से लेकर बारिश और यहां तक की जलवायु व मौसम प्रणाली को भी प्रभावित कर सकते हैं। पहली बार जापानी वैज्ञानिकों को बादलों में प्लास्टिक के सक्ष्म कणों की मौजूदगी के सबूत मिले थे। इस अध्ययन के नतीजे जर्नल एनवायर्नमेंटल साइंस एंड टेक्नोलाजीः एयर में प्रकाशित हुए हैं। शोध से पता चला है कि प्लास्टिक के यह महीन कण

बर्फ के नाभिकीय कणों के रूप में व्यवहार

करते देखे गए हैं।

www.newsparivahan.com

बर्फ के ये नाभिकीय कण बेहद महीन एरोसोल होते हैं, जो बादलों में बर्फ के क्रिस्टल के निर्माण में सहायता करते हैं। अध्ययन से जुड़ी प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर मिरियम फ्रीडमैन ने इस बात को रेखांकित किया है कि वातावरण में मौजद बर्फ के जो क्रिस्टल बादलों का निर्माण करते हैं, उन्हें प्लास्टिक के सूक्ष्म के कण कैसे प्रभावित कर सकते हैं। ये सूक्ष्म कण बादलों के निर्माण ही नहीं, बल्कि बारिश के क्रम, मौसम पूर्वानुमान और यहां तक कि विमानों की सुरक्षा पर भी असर डाल

सकते हैं। फ्रीडमैन के मुताबिक, पिछले दो दशकों के दौरान किए शोधों से पता चला है कि प्लास्टिक के सुक्ष्म कण हर जगह मौजूद हैं। वहीं, नए अध्ययन में यह साबित हो चुका है कि ये कण बादलों के निर्माण को प्रभावित कर

ऐसे में अब यह समझने की आवश्यकता है कि ये कण हमारी जलवाय प्रणाली के साथ

कैसे प्रतिक्रिया कर रहे हैं। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने चार प्रकार के सुक्ष्म प्लास्टिक कणों की जांच की, ताकि यह समझा जा सके कि वे बर्फ के जमने को किस तरह से प्रभावित करते हैं। इनमें कम घनत्व वाली पालीइथिलीन, पालीप्रोपाइलीन पालीविनाइल क्लोराइड और पालीइथिलीन टेरेपथेलेट शामिल हैं। प्रयोग के दौरान शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक के सुक्ष्म कणों को पानी की बंदों में लटकाया और बर्फ बनने का अध्ययन करने के लिए उन्हें धीरे-धीरे ठंडा किया। नतीजे से पता चला कि जिस औसत तापमान पर बुंदें जमीं, वह प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों से रहित बूंदों की तुलना में पांच से दस डिग्री ज्यादा गर्म था ।



पढ़ने के साथ समझना भी जरूरी

हमारे यहां 'शब्द' को ब्रह्म कहा गया है। ब्रह्म यानी कि इस संसार की रचना करने वाला। तो क्या शब्द भी ब्रह्म की तरह दुनिया का निर्माण करते हैं? आइए, इसे एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए, आप आराम से चुपचाप बैठे हुए हैं। कोई अचानक आकर ही आपको गालियां देने लगता है। अभी तक आप शांत थे। गालियां सुनने के बाद आपको गुस्सा आ गया। अब आपके अंदर की दुनिया क्या पहली जैसी ही शांत है ? नहीं न वह बदल गई है और इस दुनिया को बनाने का काम मात्र कुछ शब्दों ने ही तो किया है। इससे यह सिद्ध होता है कि हम जो भी सुनते और बोलते हैं, उनका बहुत गहरा और सीधा संबंध हमारे विचारों और हमारी भावनाओं से होता है।

यदि आप एक छात्र हैं और मैं आपसे पूछूं कि आप फिलहाल कौन सा काम कर रहे हैं, तो आपका उत्तर होगा मैं पढ़ाई कर रहा हूं। हर छात्र और उनके माता-पिता इस काम को 'पढाई करना' ही कहते हैं। लेकिन आपके लिए मेरी चिंता यह है कि आप 'पढ़ाई कर रहे हैं या आप 'अध्ययन' कर रहे हैं। आप जब



अपने कोर्स की किताबों के साथ होते हैं, तब आप उसे पढ़ रहे होते हैं, या उसकी स्टडी कर रहे होते हैं? आपके इस उत्तर से आपके अंतर्मन की स्थिति जुड़ी हुई है। जैसे कोई व्यक्ति उपन्यास पढ़ रहा है, लेकिन जब उसी उपन्यास को हिंदी साहित्य का विद्यार्थी अपने सिलेबस के कारण पढ़ता है, तो इन दोनों के पढ़ने के तरीके में बहुत। अंतर आ जाएगा। वह व्यक्ति उस उपन्यास को मनोरंजन के लिए पढ़ रहा है। उसे न तो उपन्यास की घटनाओं को याद रखने की जरूरत है और न ही उसे उसकी समीक्षा करनी है। लेकिन हिंदी साहित्य के विद्यार्थी को उस उपन्यास के प्रति गंभीर होकर ध्यान से पढ़ना होगा और उसे समझना भी होगा । इसी तरह जब आप

अपनी पढाई गंभीर होकर करने लगते हैं. तब वह पढाई अपने आप ही अध्ययन बन जाती है। इसलिए मेरे इस लेख का आपके लिए मूल सूत्र यह है कि आप अपने दिमाग मैं इस वाक्य को बैठा लें कि 'मैं पढ़ाई नहीं अध्ययन कर रहा हूं।' आपका यह वाक्य आपके अंदर एक ऐसी दुनिया की रचना कर देगा, जिसकी ग्रहण करने की क्षमता पहले की तुलना में कई गुना बढ जाएगी। इससे स्मरण शक्ति में भी इजाफा हो जाएगा। पढ़ाई को बोझ न समझें: जब हम पढ़ने को अध्ययन में तब्दील कर देते हैं, तब हमें पढ़ाई बोझ लगना बंद हो जाती है। हमें उसमें मजा आने लगता है। तब पढ़ा हुआ समझ में आने लगता है और वह आप भूलते नहीं। रटने का संबंध सूचनाओं को अपने दिमाग में इकट्ठा करना है। जबकि समझने का अर्थ है, उसका हमारे दिमाग में रच-बस जाना। महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने ज्ञान के बारे में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही थी। उन्होंने कहा था कि 'पढ़ने के बाद हम काफी कुछ भूल जाते हैं, लेकिन जो बच जाता है, वही ज्ञान है।' उनके कहने का आशय यही था कि जिन्हें हम रटते हैं, वे गायब हो जाते हैं और जो हमारी समझ में आ जाते हैं, वे जिंदगी भर हमारे साथ रहते हैं।

करियर के लिए बच्चे को भेजना है घर से दूर तो पहले जान लीजिए इसके फायदे और नकसान भी

हर माता- पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा काबिल बने और उसे दुनिया की सारी खुशियां मिले। कई बार माता- पिता को दिल में पत्थर रखकर बच्चे के अच्छे करियर के लिए उसे घर से दूर भेजना पड़ता है। जो आसान निर्णय बिल्कुल भी नहीं है। ऐसे में उनके मन में ख्याल आता रहता है बच्चे को खुद से दूर रखने का उनका फैसला सही है या गलत। अगर आपके मन में यही सवाल है तो पहले ये खबर अच्छे से पढ लें।

बच्चोंकोघरसेदूररखनेकेफायदे आत्मनिर्भरता होता है विकसितः घर से दूर रहकर बच्चे अपने कार्य खुद करना सीखते हैं, जो उनकी आत्मनिर्भरता को

नए अनुभव और चुनौतीः अलग माहौल में रहने से बच्चों को नए अनुभव और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका मानसिक विकास होता है। करियर पर फोकसः दूर रहने से वे पढाई और करियर के प्रति अधिक समर्पित हो सकते हैं क्योंकि उन्हें घर के कामों और ध्यान भटकाने वाले कारकों से दर रखा

व्यावहारिक ज्ञानः अलग-अलग क्षेत्रों से मिलने वाले दोस्त और सामाजिक अनुभव उन्हें व्यावहारिक और सामाजिक रूप से अधिक परिपक्व बनाते हैं।

बच्चों को घर से दूर रखने के

भावनात्मक दूरीः घर से दूर रहने पर बच्चे परिवार से भावनात्मक रूप से दूर हो सकते हैं, जिससे उनमें अकेलापन और असुरक्षा की भावना बढ़ सकती है। 1

संस्कार और पारिवारिक मृल्यः बच्चों को घर में रहकर परिवार से जो पारंपरिक और सामाजिक मूल्य सीखने मिलते हैं, वे कहीं न कहीं कम हो सकते हैं। उच्च तनाव और दबावः कई बार बच्चे

नए माहौल में आसानी से नहीं ढल पाते हैं, जिससे तनाव और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

अपराध या गलत संगत का खतराः दूर रहकर बच्चों को उचित मार्गदर्शन न मिलने पर वे गलत संगत में पड सकते हैं. जिससे

उनके करियर और व्यक्तित्व पर बुरा

निर्णय कैसे करें ? छोटे बच्चों के लिए घर के पास शिक्षा और करियर विकल्प तलाशना बेहतर होता है, जबकि बड़े और अधिक परिपक्व बच्चों को बाहर भेजा जा सकता हैयह देखना जरूरी है कि बच्चा मानसिक रूप से इस बदलाव के लिए तैयार है या नहीं। यदि बच्चे को दूर भेजा जाता है तो नियमित

असर पड सकता है।

संपर्क और वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़ाव बनाए रखना जरूरी है। नए स्थान पर बच्चे के लिए अच्छे मित्र, शिक्षक, या अन्य समर्थन उपलब्ध हों तो उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना आसान हो जाता है। इस प्रकार बच्चों को घर से दर रखना कई बातों पर निर्भर करता है। और इसका निर्णय बच्चे की भलाई और उसके व्यक्तित्व के विकास को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

पढ़ने के तरीके में लाएं बदलाव

विजय गर्ग

किसी भी परीक्षा की तैयारी विद्यार्थियों को 'एक्टिव लर्निंग' के साथ करनी चाहिए। अक्सर पढ़ाई के दौरान विद्यार्थियों को एक्टिव रखना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है, जिससे उनकी सीखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। यदि आप अपने पढ़ने के तरीकों में बदलाव लाना चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि विषयों को ध्यानपूर्वक पढ़ा जाए, तो आप तकनीक के जरिये पढ़ने की प्रक्रिया को आसान और प्रभावी भी बना सकते हैं।

■ एक्टिव लिंग क्या है?

एक्टिव लर्निंग एक शिक्षण रणनीति है,

जो छात्रों को सोचने, चर्चा करने, जांच करने और कुछ सीखने के कौशल को बढ़ाने में सहायक होती है। इस प्रक्रिया में छात्र नए कौशल का अभ्यास, समस्याओं का हल, जटिल प्रश्नों पर विचार और निर्णय लेने की अपनी क्षमता का विकास करने के साथ-साथ लेखन और चर्चा के माध्यम से अपने विचारों को शब्दों के जरिये व्यक्त कर सकते हैं। इससे छात्रों को न केवल विषय-वस्तु की गहरी समझ विकसित करने में मदद मिलती, बल्कि जो वह सीख रहे होते हैं, उसके साथ व्यक्तिगत संबंध बनाकर कक्षा को और अधिक रोचक भी बना सकते हैं।

■ सॉफ्ट स्किल्स का विकास

एक्टिव लर्निंग से सीखे गए कौशल छात्रों को एक सफल पेशेवर के रूप में तैयार करेंगे। यह छात्रों को उनके द्वारा चुने हुए उद्योग में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और सॉफ्ट स्किल्स जैसे डाटा एनालिटिक्स के लिए पायथन, कोडिंग के लिए गिटहब आदि के विकास की अनमित देता है।

एक्टिव लर्निंग छात्र के दिमाग को हमेशा व्यस्त रखता है, जिससे उन्हें नई-नई चीजों के बारे में जानकारी मिलती रहती है। इस प्रक्रिया में छात्र चुपचाप बैठने के बजाय हर

गतिविधि में सिक्रय रूप से शामिल होते हैं। रियल टाइम कम्युनिकेशन का प्रयोग अन्य छात्रों के साथ कर सकते हैं, जिससे वे मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रियाएं दे सकें।

■ पढ़ने के बाद दोहराएं आपने जो कछ भी नया सीखा है. यदि उसे दोहराते नहीं हैं. तो सीखने का कोई फायदा नहीं है। एक्टिव लिनंग के लिए पाठ्यक्रम को नियमित रूप से दोहराते रहें और जो कुछ भी नया आपने पढ़ा या सीखा है, उसे लंबे समय तक याद रखने के लिए ग्राफ. मानचित्रण, फ्लैशकार्ड आदि का उपयोग कर

स्वाभिमान

विजय गर्ग

"पता नहीं ये सामने वाला सेठ हफ्ते में 3-4 बार अपनी चप्पल कैसे तोड़ लाता है?" मोची बुदबुदाया, नजर सामने की बड़ी किराना दूकान पर बैठे मोटे सेठ पर थी।

हर बार जब उस मोची के पास कोई काम ना होता तो उस सेठ का नौकर सेठ की टटी चप्पल बनाने को दे जाता। मोची अपनी परी लगन से वो चप्पल सी देता की अब तो 2-3 महीने नहीं टटने वाली। सेठ का नौकर आता और बिना मोलभाव किये पैसे देकर उस मोची से चप्पल ले जाता। पर 2-3 दिन बाद फिर वही चप्पल टूटी हुई उस मोची के पास



लोगों को अस्पताल, व्यवस्था को नए नियम

आज फिर सुबह हुई, फिर सूरज निकला। सेठ का नौकर दुकान की झाडू लगा रहा था। और सेठ... अपनी चप्पल तोड़ने में लगा था, पूरी मश्शकत के बाद जब चप्पल न टूटी तो उसने नौकर को आवाज

"अरे रामधन इसका कुछ कर, ये मंगू

भी पता नहीं कौन से धागे से चप्पल सिलता है, टूटती ही नहीं।"

रामधन आज सारी गांठे खोल लेना चाहता था, ₹सेठ जी मुझे तो आपका ये हर बार का नाटक समझ में नहीं आता। खुद ही चप्पल तोड़ते हो फिर खुद ही जुड़वाने के लिए उस मंगु के पास भेज देते हो।"

सेठ को चप्पल तोड़ने में सफलता मिल चुकी थी। उसने टूटी चप्पल रामधन को थमाई और रहस्य की परतें खोली... "देख रामधन जिस दिन मंगु के पास कोई ग्राहक नहीं आता उस दिन ही मैं अपनी चप्पल तोड़ता हूं, क्योंकि मुझे पता है... मंगू गरीब अगर उसका स्वाभिमान और मेरी मदद दोनों शर्मिंदा होने से बच जाते हैं तो क्या बुरा है।" आसमान साफ था पर रामधन की आँखों के बादल बरसने को बेक़रार थे।

• प्यार की खुराक

रिश्ता कोई भी हो, मां–बेटी का, पिता–पुत्र का, सास-बहु का, भाई-भाई का, भाई-बहन का, पति-पत्नी का या दोस्ती का, हर रिश्ते को समय चाहिए और समय के साथ समझ चाहिए। पति–पत्नी के रिश्ते में तो विशेषकर ज्यादा समय, ज्यादा धीरज, ज्यादा समझ की जरूरत होती है, क्योंकि जहां चौबीस घंटे का साथ हो, वहां असहमति आम बात है और यदि असहमति वाले मुद्दों को ठीक से न संभाला जाए तो नौबत तलाक तक आ ही जाती है। असहमति की अवस्था में प्यार की खुराक देते रहना चाहिए, विश्वास का पैमाना बड़ा कर देना चाहिए और धीरज से काम लेना चाहिए। प्यार की खुराक अगर काम न करती दिखे तो खुराक की मिकदार बढ़ा देनी चाहिए, यानी, खुराक और बढा देनी चाहिए। यह एक अर्केला मंत्र हर रिश्ते की परेशानी का रामबाण इलाज है। आजमा कर देखिए

वितरराष्ट्रीय महिला दिवस, अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस, वैलेंटाइन्स डे, फाद्स् डे, मदर्स डे, डॉक्टर्स डे, ये डे, वो डे, फलाना डे, ढिमकाना डे आदि के बीच मुझे लगता है कि हम जल्दी ही 'अंतरराष्ट्रीय तलाक दिवस' मनाने लगेंगे। जल्दी ही ऐसा होगा जब लोग तलाक लेने के लिए कोई एक खास दिन चुन लेंगे और जनता अदालत की तरह उस दिन फटाफट तलाक हो जाया करेगा। हम जानते हैं कि इंग्लैंड के वर्तमान राजा चाल्र्स की पहली पत्नी डायना ने तलाक लिया। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में गिने जाने वाले लोगों में जेफ बेजोस और बिल गेट्स को कौन नहीं जानता। जहां जेफ बेजोस को दुनिया का सबसे महंगा तलाक झेलना पड़ा, वहीं बिल गेट्स और

मेलिंडा गेट्स ने ट्वीट करके दुनिया को अपने अलग होने की सूचना दी। हम अक्सर सोचते हैं कि अगर हमारे पास बहुत सा पैसा हो तो हमारे रिश्ते सुधर जाएंगे, लेकिन किंग चाल्स, जेफ बेजोस और बिल गेट्स का उदाहरण हमारे सामने है कि पद, प्रतिष्ठा, ताकत और पैसा रिश्तों में मधुरता ले ही आएं, यह कोई आवश्यक नहीं है। हां, इसका उल्टा अवश्य हो सकता है कि पद, प्रतिष्ठा, ताकत और पैसे के घमंड में कोई व्यक्ति अपने जीवनसाथी के साथ भी रिश्ते बिगाड़ ले। अपने समय के प्रसिद्ध अभिनेता स्वर्गीय राजेश खन्ना और उनकी धर्मपत्नी डिंपल खन्ना जब अलग हुए तो डिंपल का कहना था कि राजेश हमेशा चमचों से घिरे रहते हैं, उन्हें चापलूसी इतनी भाती है कि अपनी पत्नी से भी वह यही उम्मीद करते हैं कि मैं हमेशा उनकी चापलूसी करती रहूं। हम रिश्तों में मधुरता की बात करें, इससे पहले मैं एक छोटी सी कहानी का उदाहरण देना चाहूंगा जो मुझे किसी ने ह्वाट्सऐप पर भेजी थी। कहानी यूं है कि बहुत समय पहले एक वृद्ध संन्यासी हिमालय की पहाडियों में कहीं रहते थे।

वे बड़े ज्ञानी थे, मानव मनोविज्ञान और जड़ी-बूटियों की उन्हें गहरी समझ थी और उनकी बुद्धिमत्ता की ख्याति दूर-दूर तक फैली थी। एक दिन एक युवा महिला उनके पास पहुंची और अपना दुखड़ा रोने लगी, 'बाबा, मेरा पति मुझसे बहुत प्रेम करता था, लेकिन वह जब से युद्ध से लौटा है, ठीक से बात तक नहीं करता।' 'युद्ध के क्रूर अनुभव से गुजरे लोगों के साथ ऐसा अक्सर हो जाता है कि वे शुष्क हो जाते हैं। धीरज रखो, कुछ समय बाद सब ठीक हो जाएगा', संन्यासी ने उत्तर दिया। 'मैं अपने पति से बहुत प्यार करती हूं। मैं उसकी उपेक्षा सह नहीं सकती। आप ज्ञानी हैं और सब लोग कहते हैं कि आपकी दी हुई जड़ी-बूटी इनसान में फिर से प्रेम उत्पन्न कर सकती है। कृपया आप मुझे वो जड़ी-

बुटी दे दें ताकि हमारा वैवाहिक जीवन फिर से खुशहाल हो जाए', महिला ने विनती की। संन्यासी ने कुछ सोचा और फिर बोले, 'देवी मैं तम्हें वह जडी-बटी जरूर दे देता लेकिन उसे बनाने के लिए एक ऐसी चीज चाहिए जो मेरे पास नहीं है और अब इस बुढ़ापे में मुझमें इतनी शक्ति भी नहीं है कि मैं उसे ला सकूं।' 'आपको क्या चाहिए, मुझे बताइए, मैं लेकर आउंगी', महिला बोली। 'मुझे बाघ की मूंछ का एक बाल चाहिए', संन्यासी ने अपने धीर-गंभीर स्वर में कहा। अगले ही दिन महिला बाघ की तलाश में जंगल में निकल पड़ी, बहुत खोजने के बाद उसे नदी के किनारे एक बाघ दिखा, बाघ उसे देखते ही दहाड़ा, महिला सहम गयी और तेजी से वापस चली गयी। अगले कुछ दिनों तक यही हुआ, महिला हिम्मत करके उस बाघ के पास पहुंचती और डर कर वापस चली जाती। महीना बीतते-बीतते बाघ को महिला की मौजूदगी की आदत पड़ गयी, और अब वह उसे देख कर सामान्य ही रहता। अब तो महिला बाघ के लिए मांस भी लाने लगी, और बाघ बड़े चाव से उसे खाता। उनकी दोस्ती बढने लगी और अब महिला बाघ को थपथपाने भी लगी, और देखते-देखते एक दिन वो भी आ गया जब उसने हिम्मत दिखाते हुए बाघ की मुंछ का एक बाल भी निकाल लिया। फिर क्या था, वह बिना देरी किए संन्यासी के पास पहुंची और बोली, 'मैं बाल ले आई बाबा।' 'बहुत अच्छे', और ऐसा कहते हुए संन्यासी ने बाल को जलती हुई आग में फेंक दिया। 'अरे ये क्या बाबा, आप नहीं जानते इस बाल को लाने के लिए मैंने कितने प्रयत्न किए और आपने इसे जला दिया, अब मेरी जड़ी-बूटी कैसे बनेगी?' महिला घबराते हुए बोली। 'देवी, अब तुम्हे किसी जड़ी-बूटी की जरूरत नहीं है', संन्यासी ने बड़ी मधुरता से कहा, 'जरा सोचो, तुमने बाघ को किस तरह अपने वश में किया। जब एक हिंसक पशु को धैर्य और प्रेम से जीता जा सकता है तो क्या एक

इनसान को नहीं ? जाओ, जिस तरह तुमने बाघ को अपना मित्र बना लिया, उसी तरह अपने पति के अंदर प्रेम का भाव जागृत करो।' महिला संन्यासी की बात समझ गयी, अब उसे उसकी जडी-बटी मिल चकी थी। यह छोटी-सी कहानी शायद हमें वो सबक सिखा दे जो आज हम सबको सीखने की जरूरत है। रिश्ते जड़ी-बटियों से नहीं, प्रेम से बनते हैं, धीरज से बनते हैं, समय देने से बनते हैं, बर्दाश्त से बनते हैं, समझ से बनते

जब हम इन मूल मंत्रों की उपेक्षा करने लग जाएं, जब हम सामने वाले को महत्व देना छोड़ दें, जब हम अपने काम में, पैसा कमाने में इतने मशगूल हो जाएं कि पैसा ही हमारे लिए सब कुछ हो जाए, जब हम अहंकार से भर जाएं और इस मुगालते में रहने लगें कि हमारा पद, हमारी प्रतिष्ठा, हमारी ताकत ही प्रेम का विकल्प है, तो फिर रिश्तों में खटास आनी शुरू हो जाती है, रिश्ते धीरे-धीरे सूखने लगते हैं और फिर एक दिन ऐसा आता है जब रिश्तों में कुछ भी बाकी नहीं बचता रिश्ता कोई भी हो, मां-बेटी का, पिता-पुत्र का, सास-बहु का, भाई-भाई का, भाई-बहन का, पति-पत्नी का या दोस्ती का, हर रिश्ते को समय चाहिए और समय के साथ समझ चाहिए। पति-पत्नी के रिश्ते में तो विशेषकर ज्यादा समय, ज्यादा धीरज, ज्यादा समझ की जरूरत होती है, क्योंकि जहां चौबीस घंटे का साथ हो, वहां असहमति आम बात है और यदि असहमति वाले मुद्दों को ठीक से न संभाला जाए तो नौबत तलाक तक आ ही जाती है। असहमति की अवस्था में प्यार की ख़ुराक देते रहना चाहिए, विश्वास का पैमाना बड़ा कर देना चाहिए और धीरज से काम लेना चाहिए। प्यार की खुराक अगर काम न करती दिखे तो खुराक की मिकदार बढ़ा देनी चाहिए, यानी, खुराक और बढ़ा देनी चाहिए। यह एक अकेला मंत्र हर रिश्ते की परेशानी का रामबाण इलाज है। आजमा कर देखिए!

मेडिकल संस्था का बचाव

और सरकार को औपचारिकताओं को बदलने का समाधान चाहिए, ताकि भोटा के राधास्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट पर मंडरा रहा गतिरोध खत्म हो जाए। जमीन पर इरादों की फेहरिस्त ने कभी राधास्वामी सत्संग ब्यास के नाम, हमीरपुर के भोटा में लैंड सीलिंग एक्ट में मिली छूट का मोहल्ला बना दिया, लेकिन कानून की नई जुंबिश ने वर्षों पहले स्थापित चैरिटेबल अस्पताल का अस्तित्व हिला दिया है। दरअसल जमीन के जिस ट्रकड़े पर अस्पताल चलता है, उसे एक अलग संस्था में निरूपित करके राधा स्वामी सत्संग ब्यास, इस फर्ज की निरंतरता को बरकरार रखना चाहता है, वरना अस्पताल के मुख्य गेट पर चस्पां नोटिस बता रहा है कि जीवनदान न मिला तो दिसंबर की पहली तारीख इसके अस्तित्व की अंतिम सांस लेगी। जाहिर है मसले के केंद्रबिंदु में हिमाचल सरकार के सामने सीमित विकल्प हैं। या तो आंख मूंद कर भारत सरकार द्वारा निर्देशित लैंड सीलिंग एक्ट की भावना में मुख्य ट्रस्ट को अस्पताल की जमीन अन्य संस्था को ट्रांसफर करने से छुट न दे या अपनी इच्छाशक्ति से कानून की परिपाटी को ही बदल दे। सरकार के लिए निर्णायक होने की एक वजह तो यह है कि भोटा अस्पताल को बचाने के लिए जनता सामने आ गई है। रोजाना इसके बचाव के समर्थन में जनता ने ठान लिया है कि वह अपने संघर्ष की दीवार खड़ी करती रहेगी। सरकार के लिए यह तोहफा आसान नहीं। खासकर लैंड सीलिंग एक्ट की धाराओं ने हिमाचल की सामाजिक धरती हिलाई है। कानून की शक्ल में सामाजिक सुरक्षा की पैरवी का ही असर है कि यहां सियासत के बिल्ले अब स्थानीय निकायों तक झगड़ालू हो गए। खेत छोटे, झगड़े बड़े हो गए और अब आवासीय सुविधाओं की खोज, एक टेढ़ा अरमान साबित हो रही है, लेकिन जिस उद्देश्य से लैंड सीलिंग कानून अपनाया गया, उसके नतीजे कुछ और कहते हैं। लैंड सीलिंग एक्ट से खेती के अधिकार कृषि मजदूरी की संपत्ति होनी चाहिए थी, लेकिन अब हिमाचली परिदृश्य में आयातित उत्पाद और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का

विश्राम दिखाई देता है। यह दीगर है कि लैंड सीलिंग के बाद गैर हिमाचली को भूमि की खरीद पर लगी पाबंदियों ने धारा 118 को सियासी पहलवान बना

हिमाचल की इन्वेस्टमैंट खोज, पर्यटन की मौज

और यहां आकर बसने का ओज अब धारा 118 के समानांतर एक साम्राज्य सरीखा है और जिसके तहत बंटती है विशेषाधिकार की पहुंच और प्रभावशाली संपर्क। खैर, जमीनों की तफतीश में कानुनों के ढेरियां भी असफल हैं, क्योंकि इस मर्ज ने दवा के बजाय, बीमारियां ही पैदा की। जिस राज्य में लैंड सीलिंग एक्ट ने बड़े खेतों के स्वामी दरकिनार कर दिए, वहां नए लैंड लॉर्ड चमत्कृत हुए। इन्हें आप भू-माफिया के रूप में देखें या धार्मिक आचरण के जमघट में नए श्रद्धास्थल के रूप में देखें, एक बड़ा हिमाचल इनके कब्जे में है। राधास्वामी आश्रमों की शृंखला में हिमाचल का एक बड़ा रकबा जिस संस्था के नाम है, वह अपने उद्देश्यों की परिपाटी में आखिर इतनी बेरहम कैसे हो सकती है कि एक सामाजिक दायित्व के अधीन चल रहे अस्पताल के अस्तित्व को जमीन का विरोध बना दे। तकनीकी तौर पर कई तरह की छूट वांछित तौर पर अस्पताल प्रबंधन 'महाराज जगत सिंह मेडिकल रिलीफ सोसायटी' को मिल सकती है, बशर्ते जमीन के हस्तांतरण में लैंड सीलिंग एक्ट का रोड़ा हट जाए। सरकार जनता की मांग पर ऐसा कर भी दे, लेकिन क्या इसकी भावना में कानून की शर्तें अपंग नहीं होंगी। अगर लैंड सीलिंग और धारा 118 के कवच हटा दिए जाएं, तो देश के कई मालदार संगठन, किसी न किसी सामाजिक दायित्व के अधीन इससे मिलता-जुलता कार्य कर सकते हैं। कम से कम धार्मिक साधु-संतों की जमात को तो हिमाचल में एक विस्तृत ठिकाना चाहिए। बहरहाल, सरकार जनता की मांग पर अस्पताल को बचाने के लिए लैंड सीलिंग एक्ट के कठिन पेंच खोलने की इच्छुक दिखती है, लेकिन इस आदान-प्रदान की खिड़ कियां आने वाले काफिलों के लिए भी ऐसी ही हवाओं का प्रबंध कर देंगी। यानी लैंड सीलिंग एक्ट की प्रासंगिकता से कुछ पहरे हट जाएंगे।

एयर इंडिया की फ्लाइट में मिलेगा विस्तारा वाला लग्जरी एक्सपीरियंस, 5 रूट के यात्रियों को होगा फायदा



www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष न्यूज

एयर इंडिया का कहना है कि वह विस्तारा के ए३२० विमानों को पांच प्रमुख मेट्रो-टू-मेट्रो रूट पर तैनात करेगी। इन एयरक्राफ्ट्स में 3 केबिन क्लास मिलेंगे बिजनेस प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी। एयर इंडिया ने फ्लाइटस के टाइम टेबल को भी शेडयुल कर लिया है। इससे हवाई यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा विकल्प और फ्लेक्सिबिलिटी मिल पाएगी। आइए जानते हैं कि अभी किन रूटस पर यह एक्सपीरियंस मिलेगा।

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर की प्रक्रिया परी हो चकी है। अब एयर इंडिया का फोकस अपने नेटवर्क को बेहतर बनाने पर है। एयर इंडिया का कहना है कि वह विस्तारा के ए320 विमानों को पांच प्रमुख मेट्रो-टू-मेट्रो रूट पर तैनात करेगी। इनमें दिल्ली-मंबई और मुंबई-हैदराबाद जैसे रूट शामिल हैं। इससे यात्रियों को इन रूट पर विस्तारा जैसा ही लग्जरी एक्सपीरियंस मिलेगा।

इसके लिए विस्तारा के A320neo विमानों का इस्तेमाल होगा। इन एयरक्राफ्टस में 3 केबिन क्लास मिलेंगे. बिजनेस. प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी। पांचों रूटस पर उडानें एयर इंडिया की एआई फ्लाइट नंबर के साथ ऑपरेट करेंगी।एयर इंडिया ने फ्लाइट्स के टाइम टेबल को भी शेड्यूल कर लिया है। इससे हवाई यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा विकल्प और फ्लेक्सिबिलिटी मिल पाएगी।

वीकली फ्लाइटस की बढेगी संख्या इन रूट्स पर एयर इंडिया 100 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें उपलब्ध कराती है। इसमें

दिल्ली और मुंबई के बीच 56 डेली फ्लाइट्स और दिल्ली से हैदराबाद के बीच 24 डेली फ्लाइटस शामिल होने वाली हैं। एयर इंडिया के नए शेड्यूल से 5 मेट्रो-टू-मेट्रो रूट दिल्ली से मुंबई, दिल्ली से बेंगलुरु, दिल्ली से हैदराबाद, मुंबई से बेंगलुरु और मुंबई से हैदराबाद पर असर पड़ेगा।

सविधाएं होगी और भी बेहतर एयर इंडिया के सीईओ और एमडी कैंपबेल

विल्सन का कहना है कि एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर से हमारे यात्रियों को ज्यादा बेहतर

सुविधाएं मिलेंगी। इन रूट्स पर सफर करने वाले यात्रियों को प्रीमियम फ्लाइट का एक्सपीरियंस मिलेगा। उन्होंने कहा. 'हम धीरे-धीरे अधिक रूट पर कवरेज का विस्तार करेंगे। एयर इंडिया 2025 तक नए विमानों को शामिल कर लेगी और हमारे पुराने फ्लीट का नवीनीकरण पुरा हो जाएगा।'

एयर इंडिया-विस्तारा का मर्जर

टाटा ग्रुप की एयर इंडिया और विस्तारा का 12 नवंबर को मर्जर हो गया। इसके बाद लग्जरी टैवल एक्सपीरियंस देने वाली विस्तारा की सभी उडानों का संचालन एयर इंडिया के तहत हो रहा है। टिकट बिकंग भी एयर इंडिया की वेबसाइट से हो रही है। विस्तारा के 2.7 लाख ग्राहकों के टिकट एयर इंडिया को टांसफर किए गए हैं। वहीं, लॉयल्टी मेंबर के प्रोग्राम महाराजा क्लब में टांसफर हो गए हैं।

अब एयर इंडिया फल-सर्विस और लो-कॉस्ट वाली पैसेंजर सर्विस, दोनों को ऑपरेट करने वाली इकलौती डोमेस्टिक एयरलाइन है। उसकी इंटरनेशनल रूट पर हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी से अधिक पहंच गई है।

क्या है जीवन प्रमाणपत्र, जिसके बिना रुक सकती है आपकी पेंशन

देश में करोड़ों पेंशनभोगी हैं। उनके लिए 30 नवंबर की तारीख काफी अहम है। अगर आपने ३० नवंबर तक लाइफ सर्टिफिकेट नहीं जमा किया तो आपकी पेंशन रुक सकती है। लाइफ सर्टिफिकेट इस बात का प्रमाण होता है कि पेंशनभोगी जीवित है और उसे पेंशन मिलनी चाहिए। आइए जानते हैं कि पेंशनभोगियों किन तरीकों से अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं।

नई दिल्ली। पेंशनभोगियों को साल में एक बार बैंक में अपना लाइफ सर्टिफिकेट यानी जीवन प्रमाण पत्र (Life Certificate) जमा करना होता है। यह सब्त होता है कि पेंशन का लाभार्थी जीवित है और उसे पेंशन मिलनी चाहिए। इसे हर साल 30 नवंबर तक जमा करना होता है। ऐसा करने की स्थिति में पेंशन

लाइफ सर्टिफिकेट क्या होता है ?

जैसा कि नाम से ही जाहिर होता है कि लाइफ सर्टिफिकेट यानी जीवन प्रमाण पत्र किसी शख्स के जीवित होने का प्रमाण है। पेंशनर्स को यह डॉक्यमेंट अपनी पेंशन जारी रखने के लिए डिस्टीब्यटिंग एजेंसी में जमा करना होता है। साथ ही, जिस भी बैंक में पेंशन की रकम आ रही है. उसमें भी लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है। पेंशनर्स डिजिटल जीवन प्रमाण (Digital Life Certificate) जैसी सर्विस का फायदा उठाकर यह काम घर बैठे भी कर सकते हैं।

लाइफ सर्टिफिकेट जरूरी क्यों है?

पेंशन ज्यादातर लोगों के बुढ़ापे का इकलौता सहारा होती है। इससे उनका दवाई और अन्य जरूरी खर्च चलते हैं। लेकिन, सरकार नहीं चाहती कि पेंशन सिस्टम का दरुपयोग हो। यही वजह है कि उसने साल में एक बार लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना जरूरी रहेगा। इससे सुनिश्चित होता है कि जीवित शख्स को ही पेंशन का लाभ मिल रहा है। लाइफ सर्टिफिकेट न होने की स्थिति में पेंशनभोगी की मृत्यु के बाद भी लगातार उसके खाते में पेंशन जाती रहती।

लाइफ सर्टिफिकेट की डेडलाइन

सरकारी नियमों के मृताबिक, 60 से 80 साल के पेंशनभोगी 1 नवंबर से 30 नवंबर तक अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। वहीं, 80 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की मोहलत रहती है। इसका मतलब है कि दोनों हर पेंशनभोगी को 30 तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है, भले ही उसकी उम्र कितनी भी हो। अगर इस समयसीमा के भीतर लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं हुआ, तो पेंशन रुक सकती है।

Life Certificate जमा करना का

अगर आप व्यक्तिगत तौर पर लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना चाहते हैं, तो पेंशन देने वाले बैंक. पोस्ट ऑफिस और मान्यता प्राप्त

सर्विस सेंटर में जमा कर सकते हैं। हालांकि सेहत संबंधी परेशानी वाले बुजुर्गों के लिए डोर-स्टेप बैंकिंग सर्विस भी है। इसके जरिए आप बिना बैंक जाए भी लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। डोरस्टेप सर्विस लेने के लिए आपको बैंक प्रतिनिधि को घर बुलाकर बायोमेट्रिक डेटा

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (Digital Jeevan Pramaan)

डिजिटल जीवन प्रमाण ने लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की प्रक्रिया को काफी आसान बना दिया है। आप कई डिजिटल माध्यमों से जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

• नजदीकी सिटिजन सर्विस सेंटर (CSC) पर जाकर प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

 जीवन प्रमाण पोर्टल पर फिंगरप्रिंट रीडर के जरिए लाइफ सर्टिफिकेट जनरेट कर सकते

• जीवन प्रमाण मोबाइल ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

• इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से पोस्टमैन की मदद से प्रमाण पत्र जमा करवाएं।

• फेस ऑथेंटिकेशनः आधार फेस RD ऐप और जीवन प्रमाण ऐप का इस्तेमाल करें।

पैन 2.0 को लेकर आप भी हैं कन्फ्यूज, एफएक्यू के जरिये जानें सभी जवाब

सोमवार को केंद्र कैबिनेट ने PAN 2.0 Project को मंजुरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार ४०० करोड रुपये से ज्यादा खर्च करेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत अब क्यू-आर कोड के साथ पैन कार्ड आएगा। इसके अलावा सरकार ने युनिफाइड पोर्टल को भी मंजुरी दे दी है। हम आपको इस आर्टिकल में PAN 2.0 से जुड़े सवालों का जवाब देंगे।

नर्डि दिल्ली। इस हफ्ते सोमवार को कैबिनेट बैठक ने पैन 2.0 प्रोजेक्ट को लेकर एलान किया है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट को मंजूर कर दिया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि सरकार इसके लिए लगभग 1435 करोड रुपये खर्च

पैन 2.0 प्रोजेक्ट को लेकर कई लोगों के मन में कई सवाल बने हुए हैं। हम आपको इस आर्टिकल में पैन 2.0 प्रोजेक्ट से जुड़े सभी जानकारी

क्या है पैन कार्ड 2.0

पैन कार्ड 2.0 प्रोजेक्ट अपग्रेटेड वर्जन है। इस वर्जन में पैन कार्ड में क्यआर कोड होगा। इस पैन कार्ड

को बनवाने के लिए टैक्सपेयर को अलग से कोई चार्ज नहीं देना होगा। यह पैन कार्ड फ्री में बनाया जा रहा

क्या नया पैन कार्ड बनवाने की जरूरत है?

नहीं, आपको नया पैन कार्ड बनवाने की जरूरत नहीं है। आप अपने पुराने कार्ड को ही अपग्रेड कर सकते हैं।

पैनकार्ड में डिटेल्स कर सकते हैं अपडेट?

हां, आप अपने पैन कार्ड में डिटेल्स जैसे- डेट ऑफ बर्थ, नाम, ई-मेल आईडी, एड्रेस को अपडेट करवा सकते हैं। इसके लिए आपको कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं देना होगा।

कहां से अपडेट करें डिटेल्स?

• NSDL के पैन सर्विस पोर्टल (https://www.onlineserv ices.nsdl.com/paam/end UserAddressUpdate.html

• UTI पैन सर्विस पोर्टल (https://www.pan.utiitsl. com/PAN_ONLINE/hom eaddresschange) पर जाएं। पुराना पैन कार्ड रहेगा

हां, आपको पुराना पैन कार्ड पूरी तरह से वैलिड रहेगा। हालांकि,

PAN 2.0 में मौजूद क्युआर-कोड आपके लेटेस्ट इन्फॉर्मेंशन को शो करेगा।

पैनकार्डमें क्यू-आरकोड काक्याकाम?

पैन कार्ड में मौजूद क्यू-आर कोड के माध्यम से सभी डिटेल्स आसानी से शो होगी। इन डिटेल्स में नाम, डेट ऑफ बर्थ और फोटो शामिल है।

क्या अपने आप डिलीवर होगा नया पैन कार्ड?

नहीं, नया पैन कार्ड ऑटोमैटिकली डिलीवर नहीं होगा। आपको करेक्शन और अपडेट करने के बाद डिलीवरी का रिक्वेस्ट देना

क्या है यूनिफाइड पोर्टल? यूनिफाइड पोर्टल में PAN 2.0

का प्रोजेक्ट के साथ PAN/TAN सर्विस का लाभ उठा सकते हैं। इसमें आप एक ही प्लेटफॉर्म पर जाकर पैन कार्ड से जड़ी डिटेल्स को करेक्ट कर सकते हैं।

क्याइप्लीकेटपैनकार्ड मान्यहै?

इनकम टैक्स की धारा 1961 के तहत कोई भी व्यक्ति एक से ज्यादा पैन कार्ड कैरी नहीं कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ

दिसंबर से बदलने वाले ओट्रीपी और क्रेडिट कार्ड से जुड़े चेक, चेक करें पूरी डिटेल

बदलने वाले हैं ये नियम

परिवहन विशेष न्यूज

1 दिसंबर 2024 से कई अहम बदलाव होने वाले हैं। इनका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड सकता है। इन बदलावों में ओटीपी से जुड़े ट्राई के नए नियम शामिल हैं। दिसंबर की पहली तारीख से एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम भी बदलते हैं। साथ ही बैंक क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में भी बदलाव कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि किन नियमों में बदलाव होने वाला है।...

नई दिल्ली।हर महीने की पहली तारीख कई रेगुलेटरी बदलाव होते हैं। इनका उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर पड़ता है। 1 दिसंबर 2024 से भी कई नियम बदलने वाले हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इनमें आपकी रसोई गैस से लेकर बैंकिंग, टेलिकॉम और पर्यटन से जुड़े नियम तक शामिल हैं। आइए इनके बारे में विस्तार से

क्या बंद हो जाएगा ओटीपी? संदिग्ध ओटीपी अक्सर बडे फ्रॉड का कारण बनते हैं, जिससे कई बार लोगों का बैंक अकाउंट साफ हो जाता है। लेकिन, इन मामलों में

स्कैमर्स को ट्रेस करना काफी मुश्किल होता है। अब भारतीय दरसंचार नियामक प्राधिकरण (टाई) ने दरसँचार कंपनियों से मैसेज ट्रेसबिलिटी देने के लिए कहा है। इसका मतलब है कि टेलिकॉम कंपनियां को यह पता लगाने की व्यवस्था करनी होगी कि कोई मैसेज कहां से जेनरेट हुआ है। अगर कंपनियां इस नियम का पालन नहीं कर पाती, तो यजर्स को ओटीपी मिलना बंद हो सकता है या इसमें देरी हो सकती

मालदीव की सैर होगी महंगी मालदीव सबसे मशहर पर्यटन स्थलों में से एक है. खासकर भारतीय सैलानियों के लिए। लेकिन, अब इस द्वीपसमृह की सैर करना महंगा होने वाला है। अब इकोनॉमी-क्लास के यात्रियों के लिए शुल्क \$30 (2,532 रुपये) से बढकर \$50 (4.220 रुपये) हो जाएगा। वहीं, बिजनेस-क्लास के यात्रियों को \$60 (5,064 रुपये) के बजाय \$120 (10,129 रुपये) का शुल्क देना पड़ेगा। वहीं, प्रथम श्रेणी के यात्रियों को \$90 (7,597 रुपये) की जगह \$240 (20,257 रुपये) का भुगतान करना

होगा। निजी जेट यात्रियों को \$120 (10,129

रुपये) की बजाय \$480 (40,515 रुपये)

गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव करती हैं। यह सिलसिला 1 दिसंबर को भी जारी रहेगा। पिछले कुछ महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कई बार संशोधन हुआ है, लेकिन घरेलू गैस सिलेंडर का दाम जस का तस है। तेल कंपनियां 1 तारीख को ही विमान ईंधन की कीमतों में भी बदलाव करती है। इसके आधार पर हवाई किराया कई बार सस्ता या फिर महंगा होता है।

क्रेडिट कार्ड के भी बदलेंगे नियम

1 दिसंबर से यस बैंक फ्लाइट और होटल के लिए रिडीम किए जा सकने वाले रिवॉर्ड पॉइंट की संख्या को सीमित कर देगा। एचडीएफसी बैंक अपने रेगालिया क्रेडिट कार्ड के यूजर्स के लिए लाउंज एक्सेस नियमों में भी बदलाव कर रहा है। नए नियमों के अनुसार, 1 दिसंबर से लाउंज एक्सेस के लिए पात्र होने के लिए युजर्स को प्रत्येक तिमाही में 1 लाख रुपये खर्च करने होंगे। इसी तरह, भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक ने भी अपने अलग-अलग यजर्स के लिए रिवॉर्ड पॉइंट नियमों और क्रेडिट कार्ड शुल्क में संशोधन किया है।

क्या पोस्ट ऑफिस से बैंक में ट्रांसफर हो जाएगा सुकन्या अकाउंट? यहां जानें क्या कहता है नियम

बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान के तहत सुकन्या समृद्धि योजना शुरू हुई थी। इस योजना में ऑप ॲपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए निवेश कर सकते हैं। वैसे तो सुकन्या अकाउंट पोस्ट ऑफिस और बैंक दोनों में ओपन हो सकता है। ऐसे में सवाल आता है कि क्या इस अकाउंट को ट्रांसफर किया जा सकता है। आइए इसके बारे में जानते है।

नई दिल्ली। बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना (Sukanya Samriddhi Yojana) काफी पॉपुलर है। यह योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शुरू किया गया था। इस योजना में बेटी की शादी या पढ़ाई के लिए अभिभावक निवेश करते हैं। यह योजना बेटी के 21 साल पूरे होने के बाद मैच्योर हो जाती है।

इस स्कीम में पेरेंटस को कई बेनिफिट भी मिलते हैं। आपको बता दें कि इस स्कीम स्मॉल सेविंग स्कीम (Small Saving Scheme) की तुलना में ज्यादा रिटर्न मिलता है। सुकन्या योजना में इनकम टैक्स की धारा 80C के तहत टैक्स बेनिफिट मिलता है। आज के समय में कई बैंक में जाकर आप ऑनलाइन सुकन्या अकाउंट ओपन करवा सकते हैं।

अब ऐसे में सवाल आता है कि अगर



किसी व्यक्ति ने पोस्ट ऑफिस में सकन्या समृद्धि योजना (SSY) के लिए अंकाउंट ओपन किया है तो क्या वह उसे बैंक में ट्रांसफर करवा सकता है। हम आपको नीचे इस सवाल का जवाब देंगे।

क्या ट्रांसफर हो सकता है अकाउंट

सुकन्या समृद्धि योजना के नियमों (SSY) के अनुसार अगर बच्ची का सुकन्या अकाउंट पोस्ट ऑफिस में ओपन किया है तो उसे बड़ी आसानी से बैंक में ट्रांसफर किया जा सकता है। अकाउंट को ट्रांसफर करवाने का प्रोसेस काफी आसान

कैसे ट्रांसफर होगा अकाउंट सुकन्या अकाउंट को ट्रांसफर करवाने का प्रोसेस काफी आसान है। आपको पोस्ट ऑफिस में जाकर अकाउंट ट्रांसफर करवाने के लिए रिक्वेस्ट फॉर्म

जमा करना होगा। इस फॉर्म के साथ आपको कुछ डॉक्यूमेंट भी अटैच करने होंगे।रिक्वेस्ट फॉर्म जमा करने के बाद आपको पोस्ट ऑफिस सभी डॉक्युमेंट को वेरिफाई करके ट्रांसफर डॉक्यूमेंट तैयार करेगा। इस डॉक्यूमेंट के साथ पोस्ट ऑफिस ड्राफ्ट पेपर जारी करेगा। ट्रांसफर डॉक्यूमेंट और ड्राफ्ट पेपर बैंक अकाउंट को भेजा जाएगा। बैंक द्वारा इन डॉक्यूमेंट को एक्सेप्ट करने के बाद आपका अकाउंट पर्ण रूप से टांसफर हो जाएगा।

ये डॉक्यूमेंट है जरूरी

आपको रिक्वेस्ट फॉर्म के साथ SSY पासबुक, आधार कार्ड (Aadhaar Card), पैन कार्ड (Pan Card) आदि डॉक्यूमेंट अटैच करना होगा।

इन बातों का रखें ध्यान • पोस्ट ऑफिस अकाउंट ट्रांसफर करने के लिए मामूली ट्रांसफर शुल्क लेती

• भविष्य के लिए आपको ट्रांसफर डॉक्यूमेंट की कॉपी रखन चाहिए। • अकाउंट ट्रांसफर होने में कुछ हफ्तों का समय लग सकता है। इस बात को

ध्यान में रखकर ही आगामी निवेश करें। • पोस्ट ऑफिस के साथ बैंक में भी अकाउंट ट्रांसफर का प्रोसेस पता करें।

चांदी के दाम में भारी गिरावट, सोना भी हुआ सस्ता; चेक करें लेटेस्ट प्राइस

डोनाल्ड टंप की टैरिफ योजनाओं से वैश्विक अनिश्चतता बढ़ी है। साथ ही अमेरिका के हालिया आर्थिक आंकड़े से इस बात की संभावना घटी है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में आगे कटौती करेगा। इससे सोने और चांदी को लेकर निवेशकों का रुख उदासीन रहा। स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की बेतहाशा बिकवाली के कारण चांदी की कीमत 4900 रुपये गिर गई।

नई दिल्ली।सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर गिरावट देखने को मिल रही है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की बेतहाशा बिकवाली के कारण गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 4,900 रुपये गिर गई। यह तीन सप्ताह के निचले स्तर 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

वहीं, सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 78,700 रुपये प्रति १० ग्राम पर आ गया । १९.५ प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु गुरुवार को 400 रुपये की गिरावट के साथ 78,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को क्रमशः 78,800 रुपये और 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई।

आभूषण निर्माताओं और सिक्का निर्माताओं की कमजोर मांग के कारण चांदी भी 4,900 रुपये गिरकर 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पहले, 4 नवंबर को चांदी में 4,600 रुपये की गिरावट आई थी। बुधवार को चांदी में 5,200 रुपये की सबसे बड़ी एकदिवसीय तेजी आई और राष्ट्रीय राजधानी में दो सप्ताह के अंतराल के बाद यह फिर से 95,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी।

कारोबारियों का कहना है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ योजनाओं से वैश्विक अनिश्चतता बढी है। साथ ही, अमेरिका के हालिया आर्थिक आंकड़े से इस बात की संभावना घटी है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में आगे कटौती करेगा। इससे सोने और चांदी को लेकर निवेशकों का रुख



एलकेपी सिक्योरिटीज में कमोडिटी और करेंसी के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जितन त्रिवेदी ने कहा, ₹सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। यह शुरुआत में कमजोर रहा, लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच नए सिरे से भू-राजनीतिक तनाव के बीच जल्दी ही समर्थन मिल गया। इससे सुरक्षित निवेश को बढ़ावा मिला।' त्रिवेदी ने कहा कि डॉलर इंडेक्स की चाल और भू-राजनीतिक माहौल के हिसाब से सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी वायदा अनुबंध 115 रुपये या 0.13 प्रतिशत गिरकर 87,565 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। एशियाई बाजार के घंटों में, कॉमेक्स गोल्ड वायदा 8.20 डॉलर प्रति औंस या 0.31 प्रतिशत बढ़कर 2,673 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में कमोडिटी रिसर्च के विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, "अमेरिका से मिले-जुले आंकड़ों, डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव, व्यापार शुल्क के बढ़ते खतरे और दरों में कटौती के बारे में बाजार की उम्मीदों में उतार-चढाव के बीच सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में स्थिर

कारोबार कर रही हैं।" इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष विराम समझौते के बारे में लगातार अपडेट और फेड अधिकारियों की मिली-जुली टिप्पणियों ने सोने की कीमतों में ज्यादा तेजी नहीं आने दी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स चांदी वायदा 0.15 प्रतिशत गिरकर 30.51 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी के अनसार, व्यापारियों का माननाहै कि सोने की कीमतें सीमित दायरे में स्थिर रहने की संभावना है, और अमेरिका में थैंक्सगिविंग अवकाश के कारण ट्रेडिंग वॉल्यूम कम रहने की उम्मीद है।

झारखंड में एनडीए की शिकस्तः क्या बीजेपी और एजेएसयू का गठबंधन बिखर रहा है?

www.newsparivahan.com

डशिका मख्य रिपोर्टर रांची झारखंड न्यूज परिवहन विशेष

झारखंड चुनावों में एनडीए की करारी हार के बाद अब शुरू हुआ है असली खेल – दोषारोपण का ! बीजेपी और उसकी सहयोगी जेडीय आमने-सामने हैं। जेडीय कह रही है कि बीजेपी की रणनीति फेल हो गई, तो वहीं बीजेपी का आरोप है कि एजेएसयू ने कुड़मी वोट संभालने में लापरवाही की। और हां, बीजेपी के अपने नेता अब अपनी ही पार्टी पर सवाल उठा रहे हैं। आइए, इस चुनावी हार की पूरी कहानी पर एक

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने 81 सीटों वाली विधानसभा में 56 सीटें जीतकर एनडीए की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बीजेपी, जिसने चुनाव जीतने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जैसे बड़े नाम उतारे थे. सिर्फ 24 सीटों पर सिमट गई। वहीं, जेडीयुका कहना है कि सोरेन की गिरफ्तारी एक 'मास्टरस्ट्रोक' नहीं बल्कि 'सेल्फ गोल' साबित हुई ।₹

मैंने पहले ही कहा था कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का फैसला गलत है। इससे जनता में गलत संदेश गया। बीजेपी ने जमीन की हकीकत को समझे बिना मुद्दे उठाए, जो उनके लिए उल्टा साबित हुआ।

और अब बात करते हैं बीजेपी के सबसे बड़े 'ब्लेम गेम' की। बीजेपी का कहना है कि उसके सहयोगी



एजेएसयू ने कुड़मी वोट बैंक संभालने में लापरवाही की. जिसकी वजह से उन्हें 10 से ज्यादा सीटों पर हार झेलनी पडी ।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने हार का ठीकरा फोड़ा 'कडमी वोट' और सरकार की योजनाओं पर। उनका कहना है कि हेमंत सोरेन की 'मैय्या सम्मान योजना' ने महिलाओं के बीच ऐसा जाद चलाया कि बीजेपी के वोट खिसक गए।

महिलाओं को 1.000 रुपये महीने देना हमारी हार का एक बड़ा कारण बना। वहीं, युवा नेता जयराम महतो ने कुड़मी वोट बैंक में सेंध लगाई, और एजेएसयू इसे रोकने में पुरी तरह नाकाम रही।

लगता है, बीजेपी अब 'महिला सम्मान योजना' को 'बीजेपी की अपमान योजना' मान बैठी है।₹ अब बीजेपी ने अपनी हार का

पोस्टमार्टम करने के लिए 3 दिसंबर को केंद्रीय बैठक बुलाई है। इससे पहले 30 नवंबर और 1 दिसंबर को राज्य स्तर पर नेताओं और जिलाध्यक्षों से रिपोर्ट मांगी गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये रिपोर्ट्स सच बताएंगी या फिर फिर से पुरानी रणनीतियों का बचाव किया

हमने बांग्लादेशी घुसपैठ जैसे मुद्दे उठाए. लेकिन इसका प्रभाव स्थानीय स्तर पर नहीं दिखा क्योंकि इस पर स्थानीय नेताओं से समर्थन नहीं

₹लगता है, बीजेपी का चुनाव अभियान झारखंड के लिए नहीं, किसी और ग्रह के लिए डिजाइन

वहीं, जयराम महतो, जिन्हें इस चुनाव का 'जायंट किलर' कहा जा रहा है, ने कुड़मी वोट बैंक को पूरी तरह झकांकर बीजेपी और एजेएसय

को करारी शिकस्त दी। उनके झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने कम से कम 10 सीटों पर बीजेपी को नकसान पहुंचाया और एजेएसयू को 6 सीटों पर धराशायी कर दिया।

तो कुल मिलाकर, झारखंड की हार बीजेपी के लिए 'अंदरूनी कलह' का शिकार बनी। जेडीय के लिए यह बिहार में बड़ा संकेत है, और एजेएसय के लिए यह एक बडा झटका। अब देखना यह होगा कि बीजेपी अपनी 'बैठकों' से समाधान निकाल पाती है या फिर यही बहाने अगले चुनाव तक चलते रहेंगे। राजनीति का यह ब्लेम गेम जारी रहेगा, और हम आपके लिए हर अपडेट लाते रहेंगे। जुड़े रहिए हमारे

झारखंड में एनडीए का पतनः आंतरिक कलह और गलत रणनीति बनी हार का कारण.

प्रियंका गाँधी ने वायनाड से सांसद के रूप में ली शपथ कहा,"संविधान के उसूलों के लिए लड़ते हैं, लड़ते रहेंगे"

केरल के वायनाड से चुनावी डेब्यू में शानदार जीत के साथ आगाज करने वाली प्रियंका गांधी वाडा ने बहस्पतिवार को लोकसभा में संसद सदस्य के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली. इसके साथ ही प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य

लोकसभा सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस साल हुए लोकसभा चुनाव में दो सीट उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल के वायनाड से प्रत्याशी थें और उन्होंने दोनों ही सीटों पर जीत का परचम लहराया था. बाद में उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी जिसके बाद यहां उपचुनाव हुए थे जिसमें प्रियंका ने 4 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी. प्रियंका ने शपथ के दौरान संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी. उन्होंने हिंदी भाषा में शपथ ली.

प्रियंका संसद में जब शपथ लेने के लिए खड़ी हुईं तो कांग्रेस सांसदों ने 'जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे भी लगाए. इस मौके पर संसद में राहल और



सोनिया के साथ प्रियंका के पति रॉबर्ट वाडा भी मौजूद थे. शपथ के बाद प्रियंका ने कांग्रेस अध्यक्ष लडते रहेंगे. मल्लिकार्जुन खड़गे का पैर छुकर आशीर्वाद लिया.

सोनिया गाँधी ने कहा मझे प्रियंका पर गर्व है. शपथ ग्रहण करने के बाद प्रियंका ने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी. हमारे लिए संविधान से ऊपर कुछ नहीं है. उन्होंने आगे कहा हम संविधान के उसुलों के लिए लड़ते हैं और

ऐसा पहली बार है जब नेहरू-गांधी परिवार के 3 सदस्य एक साथ संसद में मौजूद हैं. लोकसभा में राहल गाँधी उत्तर प्रदेश के रायबरेली से सांसद है और अब प्रियंका केरल के वायनाड से सांसद हैं. सोनिया गाँधी राजस्थान से राज्यसभा सदस्य के रूप में संसद में पहले से ही मौजद हैं.

बॉर्डर पर फंसे हैं आलू के सैकड़ों ट्रक, पश्चिम बंगाल सरकार नहीं छोड़ रही

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भवनेस्वर: पश्चिम बंगाल सरकार ने आल को लेकर फिर से राजनीति शरू कर दी है। पश्चिम बंगाल सरकार ने पश्चिम बंगाल से ओडिशा आने वाले आल टक को बेल्दा के पास रोक दिया है। लक्ष्मणनाथ टोल गेट से 25 किमी दर अलह गाडी रुकती है।पश्चिमबंग में आल की कीमत कम होने तक ओडिशा को आलू का निर्यात बंद करने की सूचना है। ममता सरकार ने सीमा पुलिस को अलर्ट

कर दिया है और पश्चिम प्रशासन ने आल लेकर ओडिशा आने वाले टकों को रोक दिया है। पलिस ने अनमति न होने के कारण आलू ट्रक को बेलड़ा के पास रोक

जानकारी के लिए बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल से ओडिशा के 3 दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि मोदी के दौरे के दौरान ममता द्वारा आलू के ट्रक को रोकने की घटना राजनीतिक मोड ले सकती है।



दुर्घटनाओं का पर्याय टाटा- सरायकेला मार्ग के ११ किलोमीटर में रामकृष्ण ने दी रोशनी

अन्य कंपनियां सी एस आर में सहयोग करें : उपायुक्त, रविशंकर

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

सरायकेला, अपनी उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत सरायकेला खरसावां जिला स्थित औद्योगिक इकाई रामकृष्ण फोर्जिंग द्वारा टाटा सरायकेला सडक पर 11 किलोमीटर सड़क में प्रकाश की व्यवस्था का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त सरायकेला ने किया गया, जहां प्रतिमाह सौकडो सड़क दुर्घटना में अन्गिनत लोग काल के गाल में समा जाते थे। औद्योगिक इलाके में सरकार को अरबों में कमाई होती है जबकि नागरिक सुविधा नहीं के बराबर होने के कारण यह कार्य एक सराहनीय प्रयास

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में

सरायकेला खरसावां उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला विशिष्ट अतिथि इंद्र अग्रवाल , कार्यकारी निदेशक चैतन्य जलान , सीईओ सेनापति आदि ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया है।

औद्योगिक समूह एशिया के अध्यक्ष इंद्र अग्रवाल कंपनी के कार्य कारी निर्देशक चेतन जलन तथा सी ईओ एस सेनापित आदि मंचासिन होकर ग्रामीण जनों को संबोधित किया सरायकेला उपायुक्त ने कहा कि सरायकेला जमशेदपुर मार्ग पर रोशनी व्यवस्था नहीं होने के कारण अक्सर दघटनाएं होती थी. रामकृष्ण फर्जींग का यह पहल प्रशंसनीय है। उन्होंने सड़क के किनारे वाहन खड़े रखने पर आपत्ति जताते हुए त्वरित कार्रवाई करने की बात कही। मख्य अतिथि रवि शंकर शक्ला ने आगे कहा अन्य कंपनियों को भी सी एस आर पर योगदान अपेक्षित है । इस कार्यक्रम को संबंधित करते हुए ऐसिया के अध्यक्ष ने कहा राहियों के लिए यह वरदान साबित होगा तथा आर के एफ एल का यह कदम जन उपयोगी है। इस पर कंपनी के ईडी चैतन्य जलान ने कहा कि कंपनी आगे भी ऐसे नेक कदम करने हेतु सदा तत्पर रहेगी । सीईओ सेनापित ने कहा कि कंपनी करोना काल में जो कार्य किया है वह जग जाहिर है । हम सदैव जन उपयोगी कार्य करते रहेंगे ।

कार्यक्रमों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण कड़ी राजा साहब खरसावां गोपाल नारायण सिंहदेव हमेशा

बताया जाता है कि इस मौके पर पद्मश्री छटनी महतो , जिला परिषद अध्यक्ष शंभु मंडल, मुखिया संगीता हांसदा, पियो हांसदा ,शिला हाईबरू , सिकेन्दर हांसदा , रविंद्र मंडल , कृष्ण वास्के, रामकृष्ण फोर्जिंग के वी के खेतान, राहुल बागेडिया समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

भूबनेश्वर डिजी कॉन्फ्रेंस को खालिस्तानी धमकी

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर : और एक दिन बाद ओडिशा में पहली बार डिजी कॉन्फ्रेंस होने जा रही है। पहली बार राजधानी भुवनेश्वर में हो रहे ऐसे सम्मेलन के लिए ओडिशा सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इससे भी महत्वपर्ण बात यह है कि तीन दिवसीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी शामिल होंगे।हालांकि उससे पहले ही खालिस्तानी आतंकियों ने धमकी दे दी है। खालिस्तानी पन्नू टारगेट पर डीजी-डीआईजी की बैठक भुवनेश्वर। राष्ट्रीय मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओडिशा दौरे से एक दिन पहले खालिस्तानी आतंकी गरपतवंत सिंह पन्न ने पहली बार ओडिशा में होने वाली बैठक को बाधित करने की धमकी दी है। एक वीडियो संदेश में, पन्नु ने अपने समर्थकों से कहा कि वे भुवनेश्वर में डीजी-आईजी बैठक को बाधित करने के लिए तैयार रहें ।डीजी कॉन्फ्रेंस को लेकर कमिश्नरेट पुलिस सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर रही है। पुलिस ने नो फ्लाइंग जोन की घोषणा कर दी है। एयरपोर्ट क्षेत्र, राजभवन क्षेत्र, लोक सेवा भवन क्षेत्र को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। इस बीच राजधानी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। रात में राजधानी की विभिन्न सड़कों पर जोरदार चेकिंग चल रही है। बीएसएफ जवानों के साथ कमिश्नरेट पुलिस मौजुद है। देखने में आया है कि हर गली की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री चयन में सिर पीट लो। राज्य चनाव चारे कितने भी जीत लो.

मुख्यमंत्री चयन करने में सिर पीट लो। क्योंकि इस गठबंधन में है धीट लोग, एक बार फिर हो गए हैं रिपीट लोग ! संख्या बल नकारते सत्ता लोलप भोग । राज्य चुनाव चारे कितने भी जीत लो, मुख्यमंत्री चयन करने में सिर पीट लो। यारों अब तक नहीं बन पाई है सरकार देखों अब सबसे बड़ी पार्टी भी लाचार! ये पाँच दिन बाद भी कर रहे हैं विचार। राज्य चनाव चारे कितने भी जीत लो. मुख्यमंत्री चयन करने में सिर पीट लो। चार दिन बाद क्या ? बडा दिल दिखाया. आपका ही मरव्यमंत्री होगा यही बताया ! यह न सोचा इन्होंने कभी नहीं सताया। राज्य चुनाव चारे कितने भी जीत लो, मुख्यमंत्री चयन करने में सिर पीट लो। श्रब क्या जिसके नाम चनाव लंडा था क्या ? सरप्राइज ! दे उसे करेंगे दरकिनार ! हे आलाकमान क्या यही होगा व्यवहार। राज्य चुनाव चारे कितने भी जीत लो, मख्यमंत्री चयन करने में सिर पीट लो। देखों क्या है अजित. क्या है एकनाथ. इस जनादेश का पुनः कर दो सम्मान! दे दो कमान देवेंद्र के हाथ रख लो मान। संजय एम. तराणेकर

मनोज कुमार अग्रवाल –विनायक फीचर्स

चिन्मय दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में मंदिरों पर बढ़ते हमले चिंता

ग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले थमने का नाम **ि** नहीं ले रहे हैं। मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली बांग्लादेश सरकार में हिन्दुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इस्कॉनभिक्षुचिन्मयकृष्णदासकीगिरफ्तारीकेबादभीचरमपंथी रुकने को तैयार नहीं हैं। इसी क्रम में एक बार फिर से एक और मंदिर पर हमला किया गया है।

ताजा मामले में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के बीच चटगांव के तीन हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया। जिसके बाद बांग्लादेश में जारी झड़प ने हिंसक रूप ले लिया। अभी जिन तीन मंदिरों को निशाना बनाया गया है उनमें चटगांव के फिरंगी बाजार में लोकनाथ मंदिर, मनसा माता मंदिर और हजारी लेन में काली माता मंदिर शामिल हैं । यह घटना बांग्लादेश में हिंदओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का भाग है, जो कि पांच अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से अत्यंत खतरनाक स्तर तक बढ़ गई है। हिंदू समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ ये उग्र विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुए जब हिंदुओं ने इस्लामिक कट्टरपंथियों की ओर से किए गए संगठित

हमलों के जवाब में बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन शुरू किए । यह विरोध प्रदर्शन धार्मिक और सामाजिक संगठन इस्कॉन की ओर से आयोजित किए गए थे, जिसके अनयायी दनिया भर में फैले हुए हैं। इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए ढाका हवाई अड्डे पर प्रमुख हिंदू नेता और इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को हिरासत में लेलिया गया।

भारत सरकार नेहिंदू धार्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने के मामले पर गहरा रोष जताया।साथ ही पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के नहीं थमने का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया है। भारत ने बांग्लादेश सरकार से आह्वान किया है कि वह हिंदुओं समेत हर तरह के धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। भारत सरकार पिछले दो महीनों के दौरान कई बार ऐसे आग्रह कर चकी है. लेकिन जब से शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किया गया है तब से हिंदुओं के उत्पीडन का मामला बढता जा रहा है। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद युनूस इस बारे में उल्टा भारत पर ही आरोप लगाते रहे हैं कि हिंदुओं पर हमले के मुद्दे को भारतीय मीडिया बढ़ा-चढ़ा कर बता रहा है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि बांग्लादेश सम्मिलता सनातनी जोत के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उनको जमानत नहीं दिए जाने के घटनाक्रम को लेकर हमें गहरी चिंता है। यह घटना हिंदुओं व दूसरे अल्पसंख्यकों पर हुए कई हमलों के बाद सामने आई है। अल्पसंख्यकों के घरों और उनके कारोबार को तबाह करने, लूटने, मंदिरों में मूर्तियों को खंडित करने आदि घटनाओं के ठोस साक्ष्यहैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में राजधानी ढाका और चटगांव समेत कई जगहों पर लोग सडकों पर उतरे और उनकी रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले दागे गए। एक वकील की मौत भी हो गई। एक अदालत ने चिन्मय को जमानत देने से इन्कार कर दिया। उनको देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद ने बताया कि हिंदुओं के साथ- साथ ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ हत्या, छेड़छाड़ और अपहरण समेत हमलों की 2010

घटनाएं हुई हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेताएवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के खिलाफ प. बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी भाजपा विधायकों ने चिन्मय दास की तस्वीर वाली तख्तियां लेकर विधानसभा परिसर से विरोध मार्च निकाला और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए मुख्य गेट के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी की। इस दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंद्र ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी की निंदा की और उन्हें बिना शर्त शीघ्र रिहा करने की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार को पेट्रापोल सीमा के जरिए सभी तरह के व्यापार और आवाजाही को ठप करने की कडी चेतावनी दी।

बांग्लादेश में आये राजनीतिक बदलाव के कारण वहां के हिन्दओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हमले बढते चले जा रहे हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन से वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है और वर्तमान सरकार की

विदेशी नीति में आये परिवर्तन के कारण सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक दुष्टि से बांग्लादेश के पाकिस्तान के साथ काफी अच्छे संबंध हो गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं और भारत के विरुद्ध जो हो रहा है या कहा जा रहा है उसके पीछे पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान के पीछे चीन है। उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए भारत को अपनी विदेश नीति के साथ-साथ अपनी आर्थिक व राजनीतिक नीतियों पर भी समयानुसार परिवर्तन लाने की आवश्यकता है।

चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश तीनों देश भारतीय सीमाओं पर और भारत के भीतर भी समस्याएं बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। भारत को अति सतर्कहोकर चलने की आवश्यकता है। तत्काल रूप से तो बांग्लादेशी हिन्दओं की सरक्षा सनिश्चित करना ही भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। बांग्लादेश की सरकार के साथ संपर्क कर अपना रोष प्रकट करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचारों को उठाना चाहिए।

वर्तमान परिस्थितियों को सम्मख रखते हुए भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा चीन के साथ संबंधों को लेकर भी पुनः विचार करने की आवश्यकता है।(विनायक फीचर्स)

सिटी माण्टेसरी स्कूलों में अन्याय के खिलाफ आंदोलन करेगी एचएमकेपी : राकेश मणि

- लखनऊ में आयोजित होने वाले महासम्मेलन में आंदोलन की रणनीति बनाएगी हिंद मजदूर किसान पंचायत
- सुप्रीम कोर्ट से जीतने के बाद भी आजतक नहीं हुआ ग्रेच्युटी का भुगतान, कई कर्मचारियों की हो चुकी मृत्यु,

कानपुर। सिटी मांटेसरी स्कूलों में शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों के शोषण, उत्पीडन और अन्याय के खिलाफ हिंद मजदूर किसान पंचायत द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई।

आरोप है कि सिटी मांटेसरी स्कूलों में प्रतिवर्ष सैकड़ों शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर उनके स्थान पर नये लोगों की नियुक्तियां भी की जाती हैं। यही नहीं निकाले गये अनेक कर्मचारियों के वाद न्यायालयों में 20 से 25 साल लम्बित हैं। न्याय और लाभ का

इंतजार करते-करते अनेक कर्मचारी की मृत्यु भी हो चुकी है, लेकिन अब इस अन्याय उत्पीड़न और शोषण को किसी भी हालत में सहन नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ आर पार की लड़ाई के लिए लगातार आंदोलन भी किया जाएगा।

यह चेतावनी पूर्ण जानकारी देते हुए हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के महामंत्री राकेश मणि पाण्डेय ने सिटी माण्टेसरी स्कूल के आयोजनों में शामिल होने वाले जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों आदि की घोर निन्दा की है।

सिटी माण्टेसरी स्कूलों द्वारा वर्षों से शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों का शोषण करने, प्रतिवर्ष सैकड़ों शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर उनके स्थान पर नये लोगों की नियुक्तियां किए जाने का भी आरोप लगाते हुए कर्मचारियों ,श्रमिकों के उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ अनेक आंदोलनों की सफल अगुवाई कर चुके तेजतर्रार,



व्यवहार कुशल और जुझारू वरिष्ठ श्रमिक नेता हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के महामंत्री राकेश मणि पांडेय ने यह भी बताया कि कई बैंचों और न्यायालयों की पीठ द्वारा आदेशित किए जाने यहां तक कि श्रम विभाग से लेकर सुप्रीम कोर्ट से जीतने के बाद भी सैकड़ों शिक्षक कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का भुगतान आज तक नहीं किया गया।

सिटी मांटेसरी स्कूलों में शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों का तरह-तरह से शोषण और उत्पीड़न किए जाने का भी आरोप लगाते हुए वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पांडेय बताया कि यही नहीं इसी लाभ का इंतजार करते करते ना जाने कितने कर्मचारी काल कलवित भी हो चुके हैं।

अपने पक्ष में दबाव बनाने के लिए सिटी मोंटेसरी स्कूलों द्वारा साम ,दाम , दण्ड, भेद की नीति के तहत देश प्रदेश के राजनेताओं न्यायाधीशों और राजपत्रित अधिकारियों को माध्यम बनाए जाने जैसे तरह तरह के हथकडे अपनाने का भी आरोप लगाते हुए श्रमिक कर्मचारियों के उत्पीड़न, शोषण और समस्याओं के खिलाफ जुझारू तेवरों वाले कर्मचारी नेता राकेश मणि पाण्डेय ने बताया कि जो सीएमएस स्कूल एक अरब बच्चों के भविष्य सुधारने की बात करते हैं। वही निकाले गये ,गार्डों , ड्राइवरों ,शिक्षकों तथा कर्मचारियों के बच्चों को स्कूल से निकाल कर शिक्षा से वंचित कर देते हैं।

श्रम कानून न मानने वाले सिटी माण्टेसरी स्कूलों की सराहना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के महामंत्री राकेश मणि पाण्डेय ने दावा किया कि यदि सिटी माण्टेसरी स्कूल के स्थापना से लेकर विभिन्न आयोजनों व उसके मध्य हुए अस्वभाविक मौतों और अन्य स्थितियों की जांच की जाये तो ना केवल एक खतरनाक पहलू उभर कर सामने आयेगा बल्कि सरकार की मजदूर विरोध सोच भी उजागर होगी।

इस मामले में आर पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके और हालातों के खिलाफ लखनऊ के गांधी भवन में बहुत जल्द आयोजित किए जाने वाले महासम्मेलन में सभी राजनैतिक दलों के लोगों, रिटायर्ड अधिकारियों और केन्द्रीय मजदुर संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किए जाने की भी जानकारी देने के साथ ही चर्चित वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पाण्डेय ने बताया कि महा सम्मेलन में ना केवल आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी बल्कि सीएमएस के आयोजनों में शामिल होने वाले अन्य सभी के साथ ही ज्ञापन भेज कर मुख्य न्यायाधीश को भी इस उत्पीड़न ,शोषण और अन्याय से अवगत कराया

हेमंत सोरेन की रांची में ताजपोशी राहुल ,ममता खड़गे, भगवंत मान समारोह में पहुंचे

कार्तिककुमारपरिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची , रांची के मोरहाबादी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में हेमन्त सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ

दिलाई। राज्यपाल और अन्य अतिथि गणों ने हेमन्त सोरेन को मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने हाथ हिलाकर हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। शपथ ग्रहण समारोह में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, तेलांगना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री



नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव, सीपीआईएमएल के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन समेत कई सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्वविधायक, वरीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-१८,१०२० सेक्टर ५९, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं ३, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-४, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- ११००६३ से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की रिश्नित में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023